नई सोच, नया आयाम

RNI No. CHHHIN/2009/35020

जोहार छत्तीसगढ़

दैनिक हिन्दी

◆ वर्ष: -14 ◆ अंक: 289 डाक पंजीयन 030/रायगढ़/2015-2017 ◆ मूल्य: 3 ₹ ◆ पृष्ठ : 8 (4+4)

धरमजयगढ़, शनिवार 27 अगस्त 2022

पेज -3 पर

शराब पकड़ने गये आबकारी अमले ने ग्रामीण के घर में रखे बैग से...

प्रदेश में अराजकता की स्थिति– टीकाराम पटेल...

पेज -8 पर

JOHAR CHHATTISGARH epaper for login www.joharchhattisgarh.in

कर्मचारी संगठनों से धोखा कर रही भूपेश सरकार

पूर्व सीएम रमन बोले- एमपी में 34 प्रतिशत डीए, छत्तीसगढ़ में भी देना पड़ेगा

राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ के सरकारी कर्मचारियों के आंदोलन को समर्थन करते हुए पूर्व सीएम डॉ. रमन सिंह ने सीएम भूपेश बघले पर फिर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार प्रदेश के 5 लाख कर्मचारियों के साथ धोखा कर रही है, उन्हें धमका रही है।

जब केंद्र सरकार और मध्य प्रदेश की सरकार 34न डीए दे रही है तो फिर छत्तीसगढ़ सरकार क्यों नहीं दे सकती? सरकार अब कर्मचारियों के साथ भी छल कर रही है। छत्तीसगढ़ के कर्मचारी यह अन्याय बर्दाश्त नहीं करेंगे। प्रदेश सरकार को कर्मियों का हक देना पड़ेगा। राजनांदगांव में डॉ. रमन सिंह ने कहा कि भाजपा कर्मचारियों के साथ है।

डॉ. रमन सिंह ने छत्तीसगढ़ के सरकारी कर्मचारियों के स्ट्राइक पर कहा कि 4 लाख 7 हजार अधिकारी-कर्मचारी आंदोलन पर हैं। भूपेश बघेल सरकार की दमनकारी नीतियां इस आंदोलन को कुचलने में लगी है। कर्मचारियों की जायज मांगों और अधिकार की राशि देने से इनकार कर रही है। 34 प्रतिशत महंगाई भत्ता केंद्र सरकार दे रही है। पड़ोसी राज्य मध्य प्रदेश सरकार ने बहुत पहले ही निर्णय ले लिया था। मध्य प्रदेश में 34 प्रतिशत डीए दिया जा रहा है। भाजपा सातवें वेतनमान के अनुसार 18 प्रतिशत मूल वेतनमान में एचआरए और 34 प्रतिशत डीए सरकारी कर्मचारियों को देने की मांग करती है।

22 अगस्त से हड़ताल कर रहे कर्मचारी

छत्तीसगढ़ के सरकारी कर्मचारी केंद्र के समान 34 प्रतिशत महंगाई भत्ता और एचआरए की मांग कर रहे हैं। कर्मचारियों ने पिछले महीने 25 से 29 जुलाई तक 5 दिनों का आंदोलन किया गया। वित्त विभाग ने 16 अगस्त को 6न महंगाई भत्ता बढ़ाए जाने का आदेश जारी किया गया है, लेकिन इस आदेश को लेकर कर्मचारी और अधिकारियों में भारी नाराजगी है। प्रदेश में कर्मचारी संगठनों का कहना है कि महंगाई भत्ता 12न बढ़ाए जाने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया गया था। उन्हें केंद्र के सामान 34 प्रतिशत महंगाई भत्ता चाहिए। कर्मचारी संघ 22 अगस्त से अनिश्चितकालीन हड़ताल कर रहे हैं।

छत्तीसगढ़ के 19 अफसरों का ट्रांसफर

रायपुर । छत्तीसगढ़ राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों का तबादला किया गया है। राज्य सरकार की ओर से शुक्रवार की शाम इसे लेकर आदेश जारी कर दिया गया।

आदेश के मुताबिक संयुक्त और डिप्टी कलेक्टर रैंक के 19 अधिकारियों का ट्रांसफर किया गया है। यह अधिकारी संयुक्त और डिप्टी कलेक्टर जैसे रैंक पर जिम्मेदारी संभाल रहे थे। रायपुर, राजनांदगांव, बिलासपुर और महासमुंद जैसे जिलों में इनकी पोस्टिंग थी।

रायपुर, बिलासपुर, राजनांदगांव के संयुक्त–डिप्टी कलेक्टर रैंक के अधिकारियों का हुआ तबादला

एक नजर

छत्तीसगढ़ के 3 आईएएस केंद्र में इम्पैनल

रायपुर । छत्तीसगढ़ के तीन आईएएस अधिकारियों को भारत सरकार में ज्वाइंट सेक्रेटरी इम्पैनल में लिया गया है। इनमें अंकित आनंद, एस भारतीदासन और एलेक्स पाल मेनन का नाम शामिल है। डीओपीटी ने 2006 बैच के कुल 55 आईएएस अधिकारियों का ज्वाइंट सेक्रेटरी के पद पर इम्पैनल किया है।अंकित आनंद बिजली कंपनी के अध्यक्ष के साथ ही ऊर्जा विभाग के सचिव हैं। मुख्यमंत्री सचिवालय में सचिव के रूप में सेवा दे रहे एस. भारतीदासन मुख्यमंत्री सचिवालय के सचिव के साथ स्कूल शिक्षा विभाग की जिम्मेदारी भी संभाल रहे हैं। एलेक्स पाल मेनन चेन्नई में अंतरराज्यीय प्रतिनियुक्ति पर हैं।

रेवड़ी की तरह बांटा शासकीय राशि को बोजिया सरपंच-सचिव

जोहार छत्तीसगढ़– धरमजयगढ़।

घोटाले बाज लोग शासकीय राशि का गोलमाल करने का कई उपाये खोज लेते हैं। और घोटाले बाजों पर कार्यवाही भी नहीं करते उनके विभागीय अधिकारी। बताया जाता है घोटाले बाज लोग घोटाला करने के बाद अपने उच्च अधिकारियों को उसका कमीशन इमानदारी के साथ पहुंचा देते हैं।

ताकि किसी प्रकार का कोई आड्डच आ ना सकें। आज हम बात कर रहे हैं धरमजयगढ़ जनपद पंचायत के बोजिया ग्राम पंचायत का इस पंचायत में कई प्रकार के घोटाले किये गये हैं। सरपंच-सचिव की मिलीभगत से बिना जीएसटी बिल के भुगतान कर दिये हैं। हम आपको बता दें कि दुकानदार द्वारा बिल में उल्लेख तक नहीं किये हैं कि कितने मात्रा में समान दिये हैं। बिल में सीधा-सीधा राशि अंकित कर दिया गया है जबकि बिल में बाकायदा मात्रा, दर अंकित होना चाहिए। लेकिन बोजिया-सचिव और दुकानदार द्वारा मिलीभगत कर इस तरह के फर्जी बिल बनाकर शासकीय राशि का दुरपयोग किया है। सरपंच सचिव द्वारा स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 9 हजार का बूंदी सेव का बिल

9 हजार का बूंदी खिला दिये 15 अगस्त को

निकाला गया है। अब सोचने वाली बात है कि 15 अगस्त के दिन क्या 9 हजार का सेव बूंदी खाने वाले सरपंच सचिव को कहां से मिल गया इतने अधिक संख्या में लोग। सरपंच सचिव द्वारा किसी कान्हा होटल नवापारा का बिल लिया गया होटल संचालक द्वारा बिल में अंकित किया गया है बूंदी मात्रा 120 दर 50 रूपये कुल 6 हजार रूपये और सेव मात्रा 100 दर 30 रूपये कुल 3 हजार रूपये अब सवाल उठता है कि वर्तमान में बूंदी का दर 1 किलो 160 रूपये है और सेव 1 किलो 180 रूपये है फिर कान्हा होटल वाले बोजिया सरपंच-सचिव पर इतना मेहरबान क्यों हुआ कि आधे से भी कम दर पर सेव बूंदी दे दिया। सरपंच-सचिव ने 15 अगस्त 2021 में 9 हजार का और 26 जनवरी 2022 को 5 हजार का सेव बूंदी पर खर्च करना बताया है। मजेदार बात है कि 2021 से 2022 में समानों के दर में वृद्धि हुई है।

लेकिन यहां पर भी सरपंच-सचिव घोटाले करने का एक रिकार्ड और बना लिए इस बार तो सेव, बूंदी आधा से भी कम दर पर कान्हा होटल वालों ने बोजिया सरपंच-सचिव को दे दिया है। कान्हा होटल वालों ने जो बिल बोजिया पंचायत में दिया है उसमें बूंदी मात्रा 120 दर 30 रूपये कुल 3600 रूपये, सेव मात्रा 100 दर 14 रूपये, 15 अगस्त 2021 में जो बूंदी 50 रूपये था वो बूंदी 26 जनवरी 2022 को 30 रूपये हो जाता है और 15 अगस्त 2021 सेव का दर 30 रूपये था वो सेव 26 जनवारी 2022 को 14 रूपये में बोजिया सरपंच को उपलब्ध करते हैं। अब सोचने की बात है कि क्या ऐसा हो पाना संभव है। इस तरह से ग्राम पंचायत बोजिया द्वारा शासकीय राशि को रेवड़ी की तरह बंदर बांट कर लिया है। हम आपको इस पंचायत के और कई बड़े-बड़े घोटाले बताते रहेंगे पढ़ते रहिए जोहार छत्तीसगढ़।

जोहार छत्तीसगढ़ विशेष खबर

प्रदेश में नक्सल विरोधी अभियान में लायी जाएगी तेजी – मुख्यमंत्री

रायपुर । छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में आज स्टेट यूनिफाईड कमाण्ड की बैठक हुई। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की अध्यक्षता एवं गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू की उपस्थिति में हुई बैठक में राज्य में नक्सल मोर्चे पर प्रगति समेत जनसुरक्षा से संबंधित मुद्दों पर चर्चा हुई। इस दौरान यह बात सामने आयी कि छत्तीसगढ़ राज्य में 'विश्वास-विकास-सुरक्षा' की त्रिवेणी रणनीति के फ्लस्वरूप नक्सल गतिविधियों में निरन्तर कमी आ रही है। छत्तीसगढ़ पुलिस और केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की अध्यक्षता में यूनिफाईड कमाण्ड की बैठक सम्पन्न

द्वारा बेहतर तालमेल के साथ नक्सलियों के विरूद्ध सफ्लतापूर्वक चलाये जा रहे संयुक्त अभियान से नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में नक्सलियों के विरूद्ध चलाये जा रहे सघन अभियान के साथ-साथ विकास कार्यों में भी तेजी लायी जा रही है, इससे आम जनता का शासन व प्रशासन के प्रति विश्वास बढ़ा है।

नक्सलियों के कोर क्षेत्रों में सुरक्षा कैम्पों की स्थापना के फ्लस्वरूप आज दक्षिण बस्तर के दूरस्त क्षेत्रों जैसे जगरगुण्डा, किस्टाराम, भेजी, पामेड़, बासागुड़ा, तर्रेम में बेहतर सड़कें, पुल-पुलियों का जाल, स्कूल, बिजली, पीडीएस, मोबाईल आदि की सुविधाएं उपलब्ध हो रही हैं।

एटीएम में तोडफोड़ कर चोरी का प्रयास, आरोपी गिरफ्तार

रायपुर । राजधानी के टिकरापारा थाना क्षेत्र में एटीएम मशीन में तोडफ़ेड़ कर पैसों की चोरी करने का मामला सामने आया है। मिली जानकारी के अनुसार गुरूवार रात थाना टिकरापारा पुलिस की रात्रि गश्त टीम थाना क्षेत्र में गश्त कर रहीं थी, इस दौरान गश्त टीम को सूचना मिली कि मोती नगर पेट्रोल पम्प पास स्थित इण्डसइण्ड बैंक के एटीएम बूथ में कोई अज्ञात व्यक्ति प्रवेश कर एटीएम मशीन को तोडफ़ेड़ कर चोरी करने का प्रयास कर रहा है।

बहनों की स्वागत के लिए तैयार है मुख्यमंत्री निवास

रायपुर। छत्तीसगढ़ में तीज, त्यौहारों की एक समृद्ध परम्परा है। राज्य सरकार ने छत्तीसगढ़ की संस्कृति के सरंक्षण और संर्वधन के लिए प्रदेश में हरेली, तीजा, माता कर्मा जयंती, छठ पूजा और विश्व आदिवासी दिवस के दिन न केवल सार्वजनिक अवकाश की शुरूआत की है, बल्कि इन लोक पर्वों के महत्व से आने वाली पीढ़ी को जोड़ने के लिए इन्हें जन सहभागिता से पूरे उत्साह के साथ मनाया जा रहा है।

स्थानीय त्यौहारों को जन सहभागिता के जोड़कर मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल द्वारा छत्तीसगढ़ की संस्कृति का संवर्धन एवं संरक्षण करने का प्रयास किया जा रहा है। इसी कड़ी में छत्तीसगढ़ के पारम्परिक त्यौहार पोला एवं तीज को व्यापक स्तर पर मनाने के लिए मुख्यमंत्री निवास में तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। हरेली पर्व की तरह ही मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के रायपुर स्थित निवास पर इन दोनों पारम्परिक त्यौहारों को व्यापक स्तर पर मनाया जाएगा। पोला व तीज पर्व के लिए मुख्यमंत्री निवास में विशेष तैयारियां की गई हैं और तीज मना रही माताओं एवं बहनों की स्वागत के लिए ये पूरी तरह से तैयार है। मुख्यमंत्री निवास में छत्तीसगढ़ की परम्परा और रीति रिवाज के अनुसार साज सज्जा की गई है। मुख्यमंत्री निवास में पहले पोला पर्व का आयोजन होगा। इस मौके पर नंदी बैल की पूजा की जाएगी, इसी के साथ ही यहां पर तीजा महोत्सव का भी आयोजन किया जाएगा। तीजा महोत्सव के लिए प्रदेश के विभिन्न स्थानों से तीजहारिन माताओं एवं बहनों को मुख्यमंत्री निवास के लिए आमंत्रित किया गया है। इस अवसर पर बहनों द्वारा करूभात खाने की रस्म पूरी की जाएगी और छत्तीसगढ़ के पारम्परिक खेलों का आयोजन किया जाएगा।

बैठक... बस्तर विकास प्राधिकरण की बैठक;अस्पताल निर्माण में देरी पर लगी फटकार,लाल पानी का उठा मुद्दा

32 करोड़ के बजट को 100 करोड़ करने का प्रस्ताव

कोंडागांव। छत्तीसगढ़ के कोंडागांव जिले में शुक्रवार को बस्तर विकास प्राधिकरण की बैठक हुई। इस बैठक में बस्तर कमिश्नर समेत संभाग के सातों जिले के कलेक्टर मौजूद रहे। सदस्यों ने इस बैठक में 32 करोड़ के बजट को बढ़ाकर 100 करोड़ करने का प्रस्ताव रखा गया। बस्तर में बन रहे सुपर स्पेशलिटी अस्पताल के निर्माण पर देरी होने के कारण प्राधिकरण के अध्यक्ष लखेश्वर बघेल, मंत्री कवासी लखमा और सांसद दीपक बैज ने ह्स्ष्ट के अधिकारियों को फटकार लगाई। साथ ही निर्माण काम जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। सदस्यों ने वनाधिकार मान्यता पत्र

पट्टाधारियों को शासन की योजनाओं का लाभ देने के लिए कहा है। साथ ही किसानों का पंजीयन और केसीसी कार्य को ग्राम स्तर पर व्यापक प्रचार-प्रसार करने की अवश्यकता बताई। वनाधिकार ऋण पुस्तिका का वितरण ज्यादा से ज्यादा करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। बैठक में मुख्यमंत्री के भेंट-मुलाकात कार्यक्रम में संभाग के लिए की गई 427 घोषणाओं एवं निर्देश पर पालन प्रतिवेदन की समीक्षा की गई।

प्राधिकरण के सदस्यों ने सितंबर में NMDC के उच्च अधिकारियों के साथ बैठक रखने की मांग की। जिसमें बस्तर संभाग के विकास कार्यों सहित क्षेत्र में लालपानी, भर्ती, रेलवे सहित अन्य समस्या का निराकरण के लिए चर्चा किया जाएगा। साथ ही NMDC के अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि, बस्तर की आवश्यकता को ध्यान में रखकर काम में तत्परता दिखाएं।

आबकारी मंत्री कवासी लखमा ने दंतेवाड़ा जिले में लाल पानी से प्रभावित ग्रामों के संचालित नेरली, धुरली जल प्रदाय योजना के संबंध में बविप्र उपाध्यक्ष संतराम नेताम की अध्यक्षता में एक जांच समिति का प्रस्ताव दिया। जिसमें अध्यक्ष ने समिति को जांच कराने हेतु निर्देशित किया। समिति में विधायक देवती कर्मा, विक्रम मंडावी, रेखचंद जैन, राजमन बेंजाम शामिल होंगे।

ठेकेदार पर कार्रवाई के निर्देश

कांकेर से बालेंगा तक NH-30 के निर्माण में देरी के कारण की जानकारी ली गई है। बैठक में सड़कों के विकास के साथ-साथ केशकाल घाटी और कांकेर शहर बाईपास सड़क के विकास पर चर्चा करके अधिकारी को ठेकेदार पर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

आजाद के पार्टी छोड़ने पर बोले सिंहदेव

सबकी अपनी इच्छा होती है, उन्हें लगा होगा अब नहीं है पार्टी में काम की जगह

सरगुजा। कांग्रेस से गुलाम नबी आजाद के इस्तीफे के बाद देशभर में सियासत गरमाई हुई है। छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव ने उनके इस्तीफे पर कहा है कि,ये उनका अपना निर्णय है। उन्हें लग रहा होगा कि कांग्रेस में अब काम करने की जगह नहीं है। इसलिए उन्होंने इस्तीफा दिया होगा। राजनीति में गुलाम नबी आजाद के योगदान को बताते हुए सिंहदेव ने कहा कि वे राष्ट्रीय स्तर के नेता थे, शीर्ष नेतृत्व के भी करीबी माने जाते थे। आजाद बेहद संवेदनशील राज्य जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री भी रहे। चर्चा करते हुए सिंहदेव ने कहा कि, हर किसी के

मन की कुछ अभिलाषा होती है, मेरी भी है, आपकी भी होंगी और अगर उसकी पूर्ति नहीं हो रही है, तो सार्वजनिक पटल पर अपनी भावनाओं को व्यक्त करना अनुशासन के दायरे के बाहर हो जाता है। गुलाम नबी आजाद काफी समय से मुखर होकर पार्टी के अंदर की बातों को सार्वजनिक मंच पर रख रहे थे। फिर भी पार्टी ने उनके कद और सम्मान का ध्यान रखते हुए कोई कार्रवाई नहीं की।

क्या यह एक प्रति-ब्राह्मणवाद के उभार का संकेत है?

देश में ब्राह्मणवाद और ब्राह्मण एक अंतराल के बाद फिर निशाने पर हैं। बीते कुछ समय से आ रहे बयानों में ब्राह्मणों को दुष्चरित्र, सत्ता और धन लोलुप तथा हिंदू समाज के शोषक के रूप में चित्रित करने की कोशिश की जा रही है। जवाहरलाल नेहरू विवि की कुलपति शांतिश्री धुलिपुडी पंडित ने तो यहां तक कह दिया कि हिंदुओं के देवी देवता ब्राह्मण नहीं थे, उन्हें तो दलित या आदिवासी होना चाहिए। इधर मध्यप्रदेश में एक भाजपा नेता ने ब्राह्मणों को दान दक्षिणा बटोरने वाली और महिलाओं पर कुदृष्टि रखने वाली जमात बता दिया।

उसके बाद भाजपा ने उसे पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया। उधर गुजरात में एक भाजपा विधायक बिल्कीस बानो सामूहिक दुष्कर्म मामले में आजीवन कारावास भुगत रहे दोषियों को छोड़े जाने का यह कहकर समर्थन किया कि उनमें से कई ब्राह्मण हैं, इसलिए वो पापी नहीं हो सकते।

इसके पहले राजद नेता तेजस्वी यादव और कांग्रेस नेता नवजोत सिंह सिद्धू भी ब्राह्मणों पर गाहे बगाहे हमले करते रहे हैं। इसके पीछे सोच शायद यह है कि सामाजिक न्याय का रथ ब्राह्मणों को गरियाए बिना आगे नहीं बढ़ सकता। बावजूद इसके कि बहुसंख्यकवाद के इस दौर में ब्राह्मण कमसंख्यावाद के कारण ही हाशिए पर ठेले जा रहे हैं।

सबसे हैरानी की बात यह है कि ब्राह्मण शब्द और ब्राह्मणवाद की व्याख्या आजकल हर कोई अपने हिसाब से कर रहा है। यह सही है कि सनातन धर्म की चातुर्वर्ण्य व्यवस्था में ब्राह्मणों का स्थान सर्वोच्च माना गया है यास्क मुनि के निरूक्त में ब्राह्मण शब्द की व्याख्या 'ब्रह्म जानाति ब्राह्मणा' यानी जो ब्रह्म को जाने वही ब्राह्मण है। इस कसौटी पर आज उंगली पर गिनने लायक ब्राह्मण ही खरे उतरेंगे। फिर भी सदियों से धर्मपताका के वाहक के रूप में ब्राह्मणों ने हिंदू धर्म का प्रबंधन अपने तरीके से किया और व्यापक धर्मांतरण से उसे बचाया। हालांकि इसमें कई गंभीर दोष थे और आज भी हैं।

अब जबकि 'गर्व से खुद को हिंदू कहने' का समय आ गया है तब ब्राह्मणों पर हमले किसी सुनियोजित रणनीति का हिस्सा ज्यादा लगते हैं। खासकर तब तक ब्राह्मण के हाथ राजनीतिक सत्ता लगभग फिसल चुकी है। हाल में जेएनयू की कुलपति शांतिश्री धूलिपुड़ी पंडित ने कहा कि

देश में ब्राह्मणवाद और ब्राह्मण एक अंतराल के बाद फिर निशाने पर हैं। बीते कुछ समय से आ रहे बयानों में ब्राह्मणों को दुष्चरित्र, सत्ता और धन लोलुप तथा हिंदू समाज के शोषक के रूप में चित्रित करने की कोशिश की जा रही है।

मानवशास्त्रीय और वैज्ञानिक दृष्टि से देवताओं की उत्पत्ति को देखें तो हमारे देवता ब्राह्मण नहीं थे।

उन्हें अनुसूचित जाति या जनजाति का होना चाहिए। शांति श्री केन्द्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा आयोजित बीआर अंबेडकर लेक्चर सीरीज में बोल रही थीं। शांतिश्री ने कहा कि भगवान शिव अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति के होने चाहिए, क्योंकि वो श्मशान में सांप के साथ बैठते हैं।

उन्होंने बहुत कम कपड़े भी पहने हैं। मुझे नहीं लगता कि ब्राह्मण कब्रिस्तान में बैठ सकते हैं। इसलिए देवता मानवशास्त्रीय रूप से उच्च जाति से नहीं आते हैं। इसमें लक्ष्मी, शक्ति आदि सभी देवता शामिल हैं. जगन्नाथ आदिवासी हैं। इसके बाद भी हम अभी भी इस भेदभाव करते हैं, जो बहुत ही अमानवीय है।

शांतिश्री यहीं पर नहीं रूकीं। उन्होंने यह भी कहा कि मनुस्मृति में हर महिला को शूद्र कहा गया है। कोई भी महिला यह दावा नहीं कर सकती कि वो ब्राह्मण या कुछ और है। मेरा मानना है कि शादी से ही आपको पति या पिता की जाति मिलती है। शांतिश्री स्वयं ओबीसी हैं, लेकिन उनकी मां तेलुगू ब्राह्मण थीं। शांतिश्री ने जाति उन्मूलन की पैरवी की। बेशक जाति उन्मूलन होना चाहिए, लेकिन जातियों की पहचान कायम रखकर और उसे राजनीतिक सौदेबाजी का आधार बनाकर यह कैसे संभव है?

ब्राह्मणों के खिलाफ एक और विवादित बयान मध्यप्रदेश के भाजपा नेता प्रीतम लोधी ने किया। उन्होंने शिवपुरी जिले के बदरवास में रानी अवंतीबाई लोधी जयंती पर आयोजित एक समारोह में कहा 'ये ब्राह्मण आपको 9 दिन रोजाना 7-8 घंटे पागल बनाते हैं। ये सबसे ज्यादा दान की बात करते है। कहते हैं कि, अगर तुम दान दोगे तो भगवान तुम्हें देगा। इनकी बातों में आकर महिलाएं अपने घरों से घी, शक्कर, गेहूं, चावल चुरा-चुराकर इनके चरणों में अर्पित करती हैं। जबकि महिलाओं को यह सामग्री अपने बच्चों को खिलाना चाहिए। प्रीतम ने आगे कहा कि दान दक्षिणा लेने के बाद ये ब्राह्मण रफूचक्कर हो जाते हैं और आपको उल्लू बनाने के 25 से 50 हजार रुपए भी ले लेते हैं।% यही नहीं प्रीतम ने यह भी कहा कि कुछ ब्राह्मण पुजारी महिलाओं को घूरते हैं और प्रवचन के दौरान युवतियों को आगे की पंक्तियों में बिठाते हैं।'

यह वीडियो वायरल होते ही बवाल मच गया। कई ब्राह्मण संगठनों ने प्रीतम को पार्टी से निकालने की मांग की। शिवपुरी जिले के कई थानों में उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज हो गई। परोक्ष रूप से इसे प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वी.डी.शर्मा पर भी हमला माना गया। हालांकि, बवाल मचने के बाद प्रीतम ने पार्टी से लिखित माफी भी मांगी, लेकिन तब तक तीर कमान से छूट चुका था।

-अजय बोकिल

संपादकीय

कांग्रेस के लिए फैसले की घड़ी

पिछले तीन साल से कांग्रेस पार्टी जिस असहज स्थिति को टाल रही थी वह स्थिति आ गई है। अब कांग्रेस को तय करना है कि पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष कौन होगा? कांग्रेस को यह भी तय करना है कि 2024 के लोकसभा चुनाव में उसकी क्या रणनीति होगी? उसे यह भी तय करना है कि वह लोकप्रिय विमर्श को लेकर आगे बढ़ेगी या अलोकप्रिय होने का जोखिम लेकर अपने सिद्धांतों पर चलेगी। कांग्रेस को कई और फैसले करने हैं लेकिन ये तीन चीजें सबसे मुख्य हैं। सबसे पहले अध्यक्ष, फिर सिद्धांत और तब चुनावी रणनीति। इन तीनों पर इस समय चर्चा का करने का मकसद यह है कि कांग्रेस ये तीनों फैसले करने के मुहाने पर खड़ी है। उसे अगले कुछ दिनों में ये तीनों फैसले करने हैं। कांग्रेस पार्टी अध्यक्ष का फैसला तीन साल से टाल रही है। पिछले लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की हार के बाद राहुल गांधी ने 2019 में इस्तीफा दे दिया था। तब से सोनिया गांधी खराब सेहत के बावजूद अंतरिम अध्यक्ष के तौर पर काम कर रही हैं। अब कांग्रेस का पूर्णकालिक अध्यक्ष चुने जाने का समय आ गया है। कांग्रेस की पिछली कार्य समिति की बैठक में तय हुआ था कि 20 अगस्त से 21 सितंबर के बीच अध्यक्ष चुना जाएगा। सो, उम्मीद करनी चाहिए कि 21 सितंबर से पहले पार्टी को नया अध्यक्ष मिल जाएगा। कांग्रेस को जो तीन फैसले करने हैं उनमें सबसे अहम यहीं है कि कौन होगा पार्टी का अध्यक्ष? राहुल गांधी की कमान में कांग्रेस ने 2018 में हुए राज्यों के चुनाव में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया था। कर्नाटक में पांच साल की एंटी इन्कंबेंसी के बावजूद कांग्रेस का प्रदर्शन अच्छा था और उसने राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ तीनों राज्यों में जीत हासिल की थी।

वैश्विक मंदी के बीच बढ़ता भारत - अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की रिपोर्ट और बैंक की ब्याज दरें बढ़ने के मायने

बेशक अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने अपनी हालिया रिपोर्ट में भारत की आर्थिक विकास दर का अनुमान 0.8 प्रतिशत घटाकर 7.4 प्रतिशत कर दिया है, पर अमेरिका और चीन जैसी बड़ी अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में भारत में तेजी से विकास होगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि महामारी के बाद अर्थव्यवस्थाओं में तेजी की संभावनाएं बन रही थीं, पर कई नए संकटों के चलते आर्थिक स्थिति विकट होती जा रही है।

इनमें रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण तेल और खाद्य पदार्थों की कमी और महंगाई प्रमुख हैं। इस कारण दुनिया भर के केंद्रीय बैंक ब्याज दरें बढ़ा रहे हैं, जो विकास के लिए हानिकारक सिद्ध होगा। चीन में लॉकडाउन के कारण दुनिया भर में आपूर्ति शृंखला प्रभावित हो रही है, वहीं अमेरिका में वर्ष के पहले कालखंड में धीमी वृद्धि, गृहस्थों की आमदनी में कमी और संकुचित मौद्रिक नीति के चलते मांग और वृद्धि में कमी का अनुमान लगाया गया है। आईएमएफ के अनुसार, वर्ष 2022 में वैश्विक वृद्धि दर 3.2 प्रतिशत और 2023 में 2.9 प्रतिशत रहने का अनुमान है। यह पूर्व के अनुमानों से क्रमश: 0.4 और 0.7 प्रतिशत कम है।

पिछले कुछ समय से मुद्रास्फीति सात प्रतिशत तक पहुंच गई है। ऊंची मुद्रास्फीति के चलते रिजर्व बैंक को नीतिगत ब्याज दरों को बढ़ाना पड़ रहा है, जिसका असर ग्रोथ पर भी पड़ सकता है। ऐसे में सरकार को मुद्रास्फीति रोकने हेतु ठोस प्रयास करने होंगे।

एक ओर वैश्विक वृद्धि दर के अनुमान घट रहे हैं, वहीं भारतीय अर्थव्यवस्था सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बनी हुई है। अमेरिका में महंगाई की दर 9.1 प्रतिशत और इंग्लैंड में 9.4 प्रतिशत पहुंच चुकी है, जबकि भारत में यह 7.0 प्रतिशत है। हालांकि पिछले पांच महीनों में डॉलर के मुकाबले रुपये का 3.0 प्रतिशत अवमूल्यन हो चुका है। इस बीच रुपये के मुकाबले पौंड का अवमूल्यन 5.1 प्रतिशत, येन का 12.35 प्रतिशत और यूरो का 2.73 प्रतिशत तक हो चुका है। अर्थव्यवस्था के दो प्रमुख क्षेत्रों सेवाओं और मैन्यूफैक्चरिंग में ग्रोथ में सुधार का मापदंड होता है परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई)। स्टैंडर्ड ऐंड पूअर्स के अनुसार, जून में पीएमआई इंडेक्स 59.2 तक पहुंच गया, जो अप्रैल 2011 से अभी तक का सबसे बेहतर प्रदर्शन है। हालांकि जुलाई में इसमें हल्की कमी दिखाई दी है। फिर भी माना जा सकता है कि भारत का सेवा क्षेत्र अत्यंत बेहतर प्रदर्शन कर रहा है।

मैन्यूफैक्चरिंग क्षेत्र में पीएमआई इंडेक्स जून में 53.9 से बढ़ता हुआ जुलाई में 56.4 तक पहुंच गया है। विदेशी निवेशकों के पलायन, बढ़ती ब्याज दरों, कमजोर होते रुपये और वैश्विक अर्थव्यवस्था में मंदी जैसी स्थिति के बावजूद मैन्यूफैक्चरिंग क्षेत्र लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। गैर कृषि कार्यकलापों में वृद्धि का एक अन्य संकेतक जीएसटी प्राप्तियों का होता है। विगत अक्तूबर से जीएसटी की प्राप्तियां लगातार ऊंचे स्तर पर बनी हुई हैं और पूर्व की तुलना में कहीं ज्यादा हैं। अर्थव्यवस्था की दीर्घकालीन वृद्धि और उसकी निरंतरता पूंजीगत वस्तुओं, मध्यवर्ती वस्तुओं और इन्फ्रास्ट्रक्चर वस्तुओं के उत्पादन से मापी जाती है। उस नाते पिछले मई, 2021 की तुलना में मई, 2022 में पूंजीगत उत्पादन में वृद्धि 55 प्रतिशत, मध्यवर्ती वस्तुओं में वृद्धि 18 प्रतिशत और इन्फ्रास्ट्रक्चर वस्तुओं के उत्पादन में वृद्धि 18.2 प्रतिशत आंकी गई है।

– अश्विनी महाजन

मिला जुला

गुलाम नबी आजाद-बेहद भावुक दिल के साथ मैंने कांग्रेस से अपना आधा सदी पुराना नाता तोड़ लिया

आजाद ने छोड़ी कांग्रेस

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गुलाम नबी आजाद ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। वो काफी लंबे समय से पार्टी की नीतियों को लेकर नाराज चल रहे थे। कांग्रेस अध्यक्ष को भेजे पांच पृष्ठ के त्यागपत्र में आजाद ने कहा कि वह भारी मन से यह कदम उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत जोड़ो यात्रा से पहले 'कांग्रेस जोड़ो यात्रा' निकाली जानी चाहिए थी।आजाद ने कहा कि पार्टी में किसी भी स्तर पर चुनाव संपन्न नहीं हुए। गुलाम नबी ने कहा कि कांग्रेस लड़ने की अपनी इच्छाशक्ति और क्षमता खो चुकी है।

पहले भी चौंकाया था

इससे पहले गुलाम नबी आजाद ने उस समय चौंकाया था जब उन्होंने जम्मू-कश्मीर में कांग्रेस की प्रचार समिति के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था। हैरानी की बात ये है कि कुछ घंटे पहले ही उन्हें यह पद दिया गया था।

राहुल पर बोला बड़ा हमला

गुलाम नबी आजाद ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर बड़ा हमला बोला है, उन्होंने पत्र में लिखा है कि राहुल गांधी के अध्यक्ष (2013) बनने के बाद पुरानी कांग्रेस को खत्म कर दिया गया, जिसके कारण धीरे-धीरे पार्टी के जमीनी नेता दूर हो गए। इसके साथ ही उन्होंने पार्टी को सलाह दी है कि इस समय कांग्रेस को भारत जोड़ो यात्रा से ज्यादा कांग्रेस जोड़ो यात्रा की आवश्यकता है।

आजाद ने सोनिया को लिखे पत्र में कहा कि एआईसीसी के चुने हुए पदाधिकारियों को एआईसीसी का संचालन करने वाले छोटे समूह द्वारा तैयार की गई सूचियों पर हस्ताक्षर करने के लिए मजबूर किया गया। पार्टी के साथ बड़े पैमाने पर धोखे के लिए नेतृत्व पूरी तरह से जिम्मेदार है। उन्होंने लिखा है कि कांग्रेस में हालात अब ऐसी स्थिति पर पहुंच गए है, जहां से वापस नहीं आया जा सकता। पार्टी की कमजोरियों पर ध्यान दिलाने के लिए पत्र लिखने वाले 23 नेताओं को अपशब्द कहे गए, उन्हें अपमानित किया गया, नीचा दिखाया गया।

कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी को लिखे गए गुलाम नबी आजाद के इस्तीफे के पत्र में लिखा है, 'बड़े अफसोस और बेहद भावुक दिल के साथ मैंने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस से अपना आधा सदी पुराना नाता तोड़ने का फैसला किया है।'

जम्मू-कश्मीर पर अमित शाह की हाई लेवल मीटिंग, डोभाल हुए शामिल

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पाकिस्तान से लगी सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था सहित जम्मू-कश्मीर की मौजूदा स्थिति की गुरुवार को समीक्षा की। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल, जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, केंद्रीय गृह सचिव अजय भल्ला और केंद्र एवं केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी भी शाह की अध्यक्षता में हुई बैठक में शरीक हुए। एक अधिकारी ने बताया कि बैठक में जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा स्थिति पर चर्चा हुई। सुरक्षा कर्मियों पर हमले, घुसपैठ की कोशिशों और केंद्र शासित प्रदेश में हत्याओं के मद्देनजर यह सुरक्षा समीक्षा की गई है। गुरुवार

को उरी के कमलकोट सेक्टर में नियंत्रण रेखा पर सुरक्षा कर्मियों ने तीन घुसपैठियों को मार गिराया। मंगलवार रात जम्मू-कश्मीर के पल्लनवाला सेक्टर में भारतीय क्षेत्र में सीमा पार से घुसपैठ की कम से कम तीन कोशिशें की गई थी। सतर्क सैनिकों ने उन पर गोली चलाई और पीछे हटने को मजबूर कर दिया। अधिकारियों ने बताया कि 21 अगस्त को राजौरी जिले में नौशेरा के झांगर सेक्टर में तैनात सैनिकों ने नियंत्रण रेखा के इस ओर (भारतीय क्षेत्र) में दो से तीन आतंकवादियों की गतिविधियां देखी और उन्हें चुनौती दी।

करीब आए सिंधिया और विजयवर्गीय, कयासों का दौर शुरू

भोपाल। वाकई! क्रिकेट अनिश्चितता से भरा खेल है। चाहे मैदान हो, खिलाड़ी हों, संगठन हो या हों इसके खेवनहार। अब मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के परस्पर विरोधी दो ध्रुवों कैलाश विजयवर्गीय और ज्योतिरादित्य सिंधिया को ही देखें। अचानक दोनों हंसते हुए बीते सोमवार को इंदौर में गले क्या मिले, भाजपा संगठन में मची खलबली और कयासों की लहरें शांत होने का नाम नहीं ले रहीं। इस नए समीकरण को लेकर अलग-अलग मायने निकाले जा रहे हैं।

इधर, मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के उस बयान का भी गहन विश्लेषण नहीं थम रहा, जिसमें उन्होंने कहा कि पार्टी कहेगी तो मैं दरी भी बिछा सकता हूं, वापस जैत (गृह ग्राम) भी जाकर जनता की सेवा कर सकता हूं। मुझे आदेशित-निर्देशित हर भूमिका के लिए मैं तैयार हूं।

सुप्रीम कोर्ट में सीजेआई का आखिरी दिन

ओपन कोर्ट में रोने लगे सीनियर एडवोकेट दुष्यंत दवे

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश एनवी रमना शुक्रवार को रिटायर हो गए। अपने कार्यकाल के आखिरी दो दिनों में उन्होंने कई अहम मामलों की सुनवाई की। सेरेमोनियल बेंच में विदाई देते हुए अटॉर्नी जनरल केके वेणुगोपाल ने कहा आपके रिटायरमेंट से हम एक बुद्धिजीवी और एक उत्कृष्ट न्यायाधीश को खो रहे हैं। वहीं सीनियर एडवोकेट दुष्यंत दवे कोर्ट रूम में ही रोने लगे। उन्होंने कहा- आप जनता के जज हैं।

रजिस्ट्री की प्रोसेस से थे नाराज, विदाई भाषण में भी बोले- एनवी रमना कोर्ट की 16 बेंच में सुनवाई के लिए मास्टर ऑफ रोस्टर केस डिस्ट्रीब्यूट करते रहे हैं। लेकिन पिछले दिनों मुकदमों की लिस्टिंग को लेकर वे सुप्रीम कोर्ट की रजिस्ट्री के आगे बेबस नजर आए थे।

संसदीय समिति के रडार पर ट्विटर-आईआरसीटीसी

थरूर की अगुआई वाली कमेटी ने समन भेजा; डेटा प्राइवेसी पर आज होंगे सवाल

नई दिल्ली। इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी की पार्लियामेंट्री स्टैंडिंग कमेटी ने ट्विटर और इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन को समन भेजा है। कांग्रेस नेता शशि थरूर की अध्यक्षता वाली कमेटी ने 'नागरिकों के डेटा सिक्योरिटी और प्राइवेसी' के मुद्दे पर शुक्रवार को दोनों कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों को तलब किया है। स्टैंडिंग कमेटी ट्विटर और IRCTC के अधिकारियों से इसी सिलसिले में सवाल करेगी। ट्विटर से यूजर्स के डेटा प्राइवेसी और सिक्योरिटी को लेकर पूछताछ हो सकती है। वहीं, IRCTC से पैसेंजर्स के डेटा को मोनेटाइज करने को लेकर जारी किए गए टेंडर के बारे में पूछताछ हो सकती है। दो दिन पहले ही ट्विटर के पूर्व सिक्योरिटी चीफ पीटर जटको

ने भारत सरकार पर गंभीर आरोप लगाए थे। हालांकि, ट्विटर ने कहा कि यह एक झूठी कहानी है। इस साल जनवरी में जाटको को कंपनी से निकाल दिया गया था।

एलओसी पार कर रहे 3 आतंकी मारे गए

सेना ने जारी किया घुसपैठ का वीडियो, जम्मू-कश्मीर में 5 दिन में तीसरी घटना

जम्मू-कश्मीर में बारामूला के उरी सेक्टर में बॉर्डर पार कर रहे 3 आतंकी मारे गए। घुसपैठियों के पास से भारी मात्रा में हथियार और गोला बारूद बरामद हुए हैं। सुरक्षा बलों के अधिकारियों ने बताया कि लाइन ऑफ कंट्रोल (रूष्ट) के पास सेना के जवानों ने संदिग्ध गतिविधि देखी, जिसके बाद ये एक्शन लिया गया। आतंकियों की तरफ से भी फायरिंग की गई। पाकिस्तानी आतंकवादी 25 अगस्त को उरी सेक्टर से भारत में घुसपैठ करने की कोशिश कर रहे थे। खुफिया जानकारी मिलने के बाद इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस गैजेट्स से इन आतंकवादियों का पता लगाया गया था। जिसके

बाद सेना के सतर्क जवानों ने 3 आतंकवादियों को मार गिराया। न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक अधिकारियों ने जानकारी दी कि कुल चार घुसपैठिए थे, जिनमें तीन को मार गिराया गया, चौथा आतंकी फरार हो गया।

विद्यार्थियों के लिए हुई तनाव प्रबंधन पर कार्यशाला

सकारात्मक विचार नकारात्मक विचार को समाप्त कर देते - डॉ.तुर्रे

जोहार छत्तीसगढ़–धमतरी।

लाइवलीहुड कॉलेज में विद्यार्थियों के लिए तनाव प्रबंधन एवं आत्महत्या रोकथाम पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों को पढ़ाई के दौरान होने वाले तनाव और उसका बेहतर प्रबंधन करने के तरीकों के बारे में बताया गया।

इसके अतिरिक्त तनाव बढ़ने पर आत्मघाती कदम उठाने से बचने के तरीकों की जानकारी दी गयी। विद्यार्थियों के लिए आयोजित हुई तनाव प्रबंधन एवं आत्महत्या रोकथाम कार्यशाला के बारे में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. डीके तुर्रे ने बताया। सकारात्मक विचार नकारात्मक विचार को समाप्त कर देते हैं। जब हम किसी विषय में रुचि नहीं रखते हैं तो उस विषय के प्रति हमारे विचार भी नकारात्मक होने लगते हैं। इसलिए प्रत्येक विषय में रुचि पैदा करने का प्रयास करना चाहिए एवं नकारात्मक विचारों को त्याग देना हितकर है और सकारात्मक सोचने से परिणाम भी सकारात्मक आते हैं। आगे उन्होंने कहारू प्रत्येक व्यक्ति का विचार अलग-अलग होता है लेकिन जब सहमति बनती है तो विचार आपस में मिलने लगते हैं। हमें अपने आसपास अपने दोस्तों और शिक्षकों के बीच सकारात्मक विचारों को बढ़ाना होगा जिसके परिणाम स्वरूप हमें अच्छे परिणाम मिलेंगे और तनाव में कमी आएगी। डॉ.रचना पद्मावर ने मानसिक स्वास्थ्य के बारे में बताते हुए कहा,जीवन एक घड़ी की सुई की तरह है। जहां उतार चढ़ाव बना रहता है। ऐसे में कई बार जीवन निराशापूर्ण लगने लगता है और उम्मीद की किरण मिटती हुई दिखाई देती है। प्राय: हर व्यक्ति के जीवन में ऐसा समय आता है जब वह जीवन के प्रति उदासीन हो जाता हैं। यह महसूस करना सामान्य हैए लेकिन यह सिर्फ तब तक ही सामान्य है जब तक यह विचार आत्मघाती न हो जाएं। इसलिए लोगो मे तनाव प्रबन्धन एवं आत्महत्या रोकथाम के प्रति जागरूकता जरूरी हो जाती है। तनाव के विभिन्न प्रकार है।

आगे उन्होंने बताया। अक्सर लोग अपनी मानसिक बीमारियों को छिपाते हैं और खुलकर उस पर बात नहीं करना चाहते हैं। तनाव की स्थिति जब बढ़ने लगती है। तो शरीर मे दमा, हाइपरटेंशन, स्मृतिलोप, दुर्बलता, सिरदर्द, हृदयरोग जैसी समस्यायें उत्पन्न होने लगती है। अत: किसी भी परिस्थिति में अकेले न रहें। यदि किसी को कुछ समस्या है तो अपने परिवार वालों या करीबियों से बात करे, उन्हें अपनी समस्या बताएं और समस्या का समाधान खोजें।

इसके अतिरिक्त अपने दैनिक गतिविधियों में से कुछ समय निकालकर खुद के लिये समय दें योगाभ्यास करें, खानपान में सुधार करें और पर्याप्त नींद लें। मन में आत्महत्या जैसे नकारात्मक विचार आने पर पहला कदम मदद मांगना होना चाहिए। मानसिक अस्वस्थता की स्थिति हो तो घबराएं नहीं जिला अस्पताल में स्पर्श क्लीनिक के माध्यम से मानसिक रोगियों को नि:शुल्क परामर्श व उपचार किया जाता है। टोल फ्री नम्बर 104 डायल कर मनोवैज्ञानिक सलाह ली जा सकती है।ए मानसिक विकारों को काउंसलिंग कर एवं तनाव से बचने के आवश्यक उपायों पर अमल करते हुए दूर किया जा सकता है कार्यशाला में मानसिक स्वास्थ्य व उससे जुड़ी समस्याओं के लक्षण एवं उपचार के बारे में विस्तार से जानकारी दी गयी। साथ ही विद्यार्थियों को विभिन्न एक्टिविटी के माध्यम से तनाव को कम करने के उपाय के बारे में भी बताया गया। इस मौके पर क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट प्रीति चांडक ने कहा, विद्यार्थी जीवन एक संघर्ष भरा जीवन होता है विद्यार्थी का जीवन शिक्षा अर्जित करने के लिए होता है हमको अपनी शिक्षा ग्रहण करने के लिए अपनी मन स्थिति को भी मजबूत रखनी होती है। मनो स्थिति अनियंत्रित होने से लोगों में आत्मघाती परिणाम देखने को मिलते हैं आत्महत्या रोकने के लिए हमें लोगों की मन की स्थिति को समझना होगा। जीवन में तनाव का आना.जाना लगा रहता है किन्तु जब यह तनाव बढ़ जाता है तब व्यक्ति के अंदर आत्मघाती विचार आने लगते हैं। ऐसे समय में हम तनाव को कम करके आने वाले आत्मघाती विचारों को रोकने के प्रयास करने चाहिए। कार्यशाला का आयोजन सिविल सर्जन डॉ.यूएल कौशिक,नोडल अधिकारी डॉ.जेएस खालसा और लाइवलीहुड कॉलेज के प्राचार्य के मार्गदर्शन में किया गया।

एक नजर

जिला वनोपज संघ का चुनाव आजए संचालक मण्डल के 10 पदों में 21 प्रत्याशी

जोहार छत्तीसगढ़–महासमुंद।

जिला वनोपज मंडल के सदस्यों का चुनाव कल 27 अगस्त को जिला वनरक्षक प्रशिक्षण कार्यालय में संपन्न होगा। मंडल सदस्यों के चुनाव के लिए 21 अभ्यर्थी चुनाव मैदान पर है। सदस्य मंडल के चुनाव के बाद ही अध्यक्ष व उपाध्यक्ष सहित अन्य प्रतिनिधियों का चुनाव होगा। इनके चुनाव की तिथि 2 सितंबर निर्धारित है। जिला वनोपज मंडल के सदस्यों के लिए 21 अभ्यर्थी मैदान पर है। लेकिन मात्र 10 ही लोग मंडल का सदस्य बनेंगे। मंडल सदस्य की 10 सीट है। इसमें 5 सामान्य वर्ग के लिए आरक्षित है।

इसी प्रकार अनुसूचित जन जाति वर्ग में 3, अनुसूचित जाती में 1, अन्य पिछड़ा वर्ग में 1 पद आरक्षित है। इस चुनाव के चुनाव अधिकारी अपर कलेक्टर ओपी कोसरिया है। सहायक निर्वाचन अधिकारी आशीष दीवान ने बताया कि चुनाव को लेकर सारी तैयारियां हो गई है। सभी अधिकारी व कर्मचारियों की ड्यूटी भी लगा दी गई है। 23 ने भरा था नामांकन, दो ने वापस लिया था नाम जिला वनोपज सहकारी समिति के सदस्यों के चुनाव के लिए 23 अभ्यर्थियों ने 17 अगस्त को नामांकन भरा था। 19 अगस्त तक नाम वापसी का समय था। 2 अभ्यर्थी भागीरथी मार्कंडेय व रविशंकर कश्यप ने वापस ले लिया था। इसके बाद मैदान में 21 लोग शेष थे। ये सदस्य आमने-सामने नाम वापसी के बाद अब वनोपज समिति के चुनाव में मनोरंजन बरिहा, माधोराम, मोहनलाल, पिताम्बर विश्वकर्मा, नारायण, शैलेन्द्री दीवान, लोभनी, हितेश चंद्राकर, भूखन, निराकार, छन्नु लाल, प्रमोद चंद्राकर, रतनलाल बंजोर, सेत कुमार, सुकांती, पंको प्रधान, रामजी ध्रुव, नैनसिंह ठाकुर,अमर नाग, बसंत सिन्हा, श्रीलाल के बीच चुनाव होगा।

रेल्वे स्टेशन के सामने से इंजिनियर का मोटर सायकल चोरी

जोहार छत्तीसगढ़–महासमुंद।

स्थानीय रेल्वे स्टेशन के सामने से अज्ञात चोर ने एक मोटर सायकल पार कर दी। चोरी गई वाहन स्टेशन रोड निवासी इंजीनियर बसंत राठौर की है। इंजीनियर राठौर ने पुलिस को बताया है कि वह मकान नक्शा बनाने का काम करता है। वार्ड नं 20 स्टेशन रोड महासमुन्द का रहने वाला है। 24 अगस्त 2022 को अपने घर से करीब 07 बजे वह ट्रेन का समय पता करने अपने मोटर सायकल से रेल्वे स्टेशन गया था और अपनी मोटर सायकल को रेल्वे स्टेशन के सामने लॉक कर रेल्वे स्टेशन के अंदर गया। जब बाहर निकल कर देखा तो उसकी मोटर सायकल खडी किये हुये स्थान पर नहीं थी। वह आसपास के लोगों से आटो रिक्शा वालों से पता किया मगर पता नहीं चला। उसकी इस्तेमाली मोटर सायकल हीरो होण्डा स्प्लेण्डर प्लस सीजी 04 डीडब्ल्यू 0557 किमती 12000 रूपये को कोई अज्ञात चोर चोरी कर ले गया है। घटना के बारे में अपने चाचा भुपेन्द्र राठौर एवं यशवंत थदानी को बताया है। मामले की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात के विरूद्ध भादवि की धारा 379 के तहत अपराध कायम किया है।

पहली बार आयोजित सखी तीज महोत्सव की प्रतिस्पर्धाओं में महिलाओं ने दिखाया दमखम

प्रतिभागियों के उत्साहवर्धन हेतु मौजूद रहे संसदीय सचिव चंद्राकर

जोहार छत्तीसगढ़–महासमुंद।

शहर के हाईस्कूल मैदान में आयोजित तीज महोत्सव के दौरान प्रतियोगिता में महिलाओं ने अपना दमखम दिखाया। आज शुक्रवार को संसदीय सचिव व विधायक विनोद सेवनलाल चंद्राकर की पहल पर आयोजित तीज महोत्सव में विभिन्न प्रतियोगिताएं हुई। जिसमें महिलाओं ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। प्रतिभागी महिलाओं के बीच संसदीय सचिव चंद्राकर पहुंचकर उनका उत्साहवर्धन किया। शुक्रवार को हाईस्कूल मैदान में आयोजित तीज महोत्सव का संसदीय सचिव व विधायक चंद्राकर ने दीप प्रज्जवलित कर शुभांरभ किया। इस दौरान ससंदीय सचिव चंद्राकर ने कहा कि हमारी संस्कृति में तीज उत्सव का बड़ा महत्व है। तीज का त्योहार हमारे सामाजिक, सांस्कृतिक, धार्मिक और ऐतिहासिक मूल्यों को प्रदर्शित करता है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में हरेली, तीजा और कर्मा जंयती को परंपरागत रूप से मनाया जाता है। पहले इन त्योहारों में सार्वजनिक अवकाश नहीं था। भूपेश सरकार द्वारा अवकाश दिए जाने के निर्णय से उल्लास का माहौल रहता है। इसी को ध्यान में रखते हुए शहर में तीज महोत्सव का आयोजन का यह दूसरा साल है। उन्होंने महिलाओं को तीजा पोला पर्व की शुभकामनाएं भी दी। इधर तीज महोत्सव में आयोजित फ ुगड़ी प्रतियोगिता में रामकली, खूशबू, प्रभा यादव, फु ग्गा फोड़ प्रतियोगिता में शशि चंद्राकर, सरोजनी साहू, सरोज ध्रुव, पगड़ी प्रतियोगिता में श्वेता गुप्ता, राशि महिलांग व मुक्ता चंद्राकर, सोलह श्रंगार प्रतियोगिता में सावित्री साहू, शालिनी गायगौरे व भारती सोनी ने क्रमश: प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा सांस्कृति कार्यक्रम में भी महिलाओं की प्रस्तुतियों ने काफी वाहवाही बटोरी। खेलकूद प्रभारी ममता बग्गा, प्रेमशीला, सोलह सिंगार चंचला गुप्ता व लक्ष्मी देवांगन, फु गड़ी प्रतियोगिता में सरिता साहू व लता कैलाश चंद्राकर, सती चंद्राकर, फ ोड़ प्रतियोगिता में तारा चंद्राकर, हाजरा खान, चुकिया फोड़ में मीना वर्मा, कामिनी चंद्राकर, पगड़ी प्रतियोगिता में आकांछा दुबे, नृत्य प्रतियोगिता में दुर्गा भारतीए रीता पांडेय प्रभारी थी। कार्यक्रम का संचालन संजय शर्मा व सरिता तिवारी ने तथा आभार प्रदर्शन तारिणी चंद्राकर ने किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से नगरपालिका अध्यक्ष राशि महिलांग, जिला कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष ममता चंद्राकर आदि मौजूद रहीं।

आपसी रंजिश में युवक की हत्या: लाठी-डंडे और धारदार हथियार से आरोपियों ने किया हमला

कोरबा । छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में गुरुवार रात लाठी-डंडे और धारदार हथियार से हमला कर एक युवक की हत्या कर दी गई। वारदात कोतवाली थाना इलाके के सीतामणि कुंज नगर बस्ती की है।

जानकारी के अनुसार पुरानी रंजिश में कृष्णा यादव नाम के युवक के घर आरोपियों ने जमकर तोड़फोड़ की और उस पर जानलेवा हमला कर दिया। हमले में 26 साल के कृष्णा की मौत हो गई, वहीं उसका छोटा भाई गंभीर रूप से घायल हो गया। परिवार के अन्य सदस्यों को भी मामूली चोटआई है। आरोपी नशे में धुत होकर आए थे। उन्होंने इलाके में जमकर उत्पात मचाया, जिससे आसपास के लोग भी डर गए। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर कोतवाली थाना पुलिस पहुंची। पुलिस ने परिवार वालों और आसपास के लोगों के बयान लिए हैं और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया है।

13 बिंदुओं की मांगों को लेकर अब सरपंच भी चल पड़े बेमियादी धरना प्रदर्शन की राह पर

पटवारी कार्यालय के सामने लगा सरपंचों का जमावड़ा

जोहार छत्तीसगढ़–महासमुंद।

सरपंच संघ के अपनी 13 सूत्रीय मांगों को लेकर 26 अगस्त से बेमियादी धरना आंदोलन प्रारंभ कर दिया है। संघ के बैनर तले आंदोलनकारी सरपंच जिला मुख्यालय में कोतवाली कार्यालय के सामने धरनारत रहे। सरपंच संघ की मांग है कि सरपंचों और पंचों ने मानदेय में वृद्धी करते हुये सरपंचों को प्रति माह 20 हजार और पंचों को 5 हजार के अनुपात में मानदेय का भुगतान किया जाए। सरपंचों को 10 हजार की पेंशन राशि भी दी जाए तथा 50 लाख तक के सभी कार्यों में पंचायत को ही कार्य एजेंसी बनाया जाए। सरपंच निधी के रूप में 10 लाख रूपए प्रदाय किया जाए। साथ ही नक्सल क्षेत्र के सरपंचों के मारे जाने पर उनके परिजनों को 20 लाख रूपए की आर्थिक सहायता भी दी जाए। सरपंचों की यह भी मांग है कि 15वें वित्त की राशि को अन्य मद में अभिशरण नहीं किया जाए। तथा 15वें वित्त की राशि जनपद व जिला सदस्यों द्वारा अपने ही निर्वाचन क्षेत्र में प्रदाय किया जावे। अन्य मांगों में सरपंचों का कहना है कि महात्मा गांधी रोजगार गारंटी योजना में प्रयुक्त सामग्री की राशि का भुगतान हर 3 महिने में किया जावे तथा मनरेगा के निर्माण कार्य में 40 प्रतिशत राशि अग्रिम रूप से दी जाए। सरपंचों और पंचों का कार्यकाल 2 वर्ष बढाया जाए तथा ग्रामीण प्रधानमंत्री आवास की राशि बढाकर 2 लाख करते हुये तत्काल राशि भी जारी की जाए। एक अन्य मांग में कहा गया है कि सरपंचों के अविश्वास प्रस्ताव अधिनियम और धारा 40 में संशोधन किया जाए।

आउट सोर्सिंग कंपनी में विस्थापितों कों 80 : भर्ती की मांग

कोरबा । ऊर्जाधानी भू-विस्थापित किसान कल्याण समिति ने एसईसीएल दीपका क्षेत्र में नियोजित आउटसोर्सिंग कंपनियों में भू-विस्थापित व प्रभावित बेरोजगारों के लिये 80 प्रतिशत स्थान आरक्षित करने की मांग की है। संगठन के पदाधिकारियों ने मुख्य महाप्रबंधक के नाम ज्ञापन सौंपा है। जिसमे नियोजित कंपनी की मनमानी का उल्लेख करते हुए एसईसीएल प्रबंधन पर वादा से मुकरने का आरोप लगाया है। इस सबन्ध में ऊर्जाधानी भू-विस्थापित किसान कल्याण समिति के दीपका क्षेत्रीय इकाई के अध्यक्ष बसन्त कंवर ने बताया है कि एसईसीएल प्रबन्धन, आउटसोर्सिंग कंपनी के अधिकारियों के साथ हमारी संगठन की त्रिपक्षीय वार्ता में भू-विस्थापित प्रभावित बेरोजगारों को प्राथमिकता देने, कामगारों को आई कार्ड, मेडिकल सुविधा, पीएफ की पावती, सुरक्षा उपकरण, सहित हाई पावर कमेटी के सिफारिश के अनुसार समस्त सामाजिक सुरक्षा का पालन करने का निर्णय लिया गया था। किंतु अब इनमे से किसी भी निर्णयों का पालन नही किया जा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि दीपका क्षेत्र में आमगांव फेस पर गोदावरी कंपनी द्वारा ओबी का कार्य किया जा रहा है, जिसमें हैवी व्हीकल के लिए ड्राइवर, हेल्पर, सुपर वाइजर आदि पदों पर भर्ती की जा रही है, चूंकि यह मिट्टी खनन का कार्य परियोजना प्रभावित क्षेत्र में हो रही है जिसमे वैकल्पिक रोजगार प्रदान करते हुए पहली प्राथमिकता भू-विस्थापितों को देनी थीं। जिस पर कंपनी द्वारा भू-विस्थापितों की उपेक्षा कर अन्यत्र लोगो की भर्ती प्रक्रिया शुरू कर दी है। जिसका हमारा संगठन विरोध करती हैं।

सुकमा जिले से पोटाकेबीन आश्रम के 100 से अधिक बच्चें हुए बीमार

जोहार छत्तीसगढ़–सुकमा।

सुकमा जिले के पोटाकेबीन आश्रम के 100 से अधिक बच्चें बीमार हो गए हैं। पेदाकुर्ती पोटाकेबीन के इन 17 बच्चों को दोरनापाल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बता दे की दो बच्चे डेंगू से व तीन मलेरिया से ग्रसित है। बाकी बीमार बच्चों का इलाज पोटाकेबिन में जारी है। मौसम के बदलते मिजाज ने बच्चों को बीमारियों ने जकड़ लिया हैं। बारिश और धूप के कारण लोग बीमार हो रहे हैं। सभी बच्चों को बुखार व जुकाम की शिकायत बतायी जा रही है। इन हालातों को देखते हुए कलेक्टर हरिस एस. ने मेडिकल टीम को बेहतर देखभाल करने के लिए निर्देश दिया है। जिला शिक्षा अधिकारी नितिन दंडसेना ने इस मामले की पुष्टि की है। सुकमा जिले के पोटाकेबीन आश्रम के 100 से अधिक बच्चें बीमार हो गए हैं। पेदाकुर्ती पोटाकेबीन के इन 17 बच्चों को दोरनापाल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बता दे की दो बच्चे डेंगू से व तीन मलेरिया से ग्रसित है। बाकी बीमार बच्चों का इलाज पोटाकेबिन में जारी है।

मौसम के बदलते मिजाज ने बच्चों को बीमारियों ने जकड़ लिया हैं। बारिश और धूप के कारण लोग बीमार हो रहे हैं। सभी बच्चों को बुखार व जुकाम की शिकायत बतायी जा रही है। इन हालातों को देखते हुए कलेक्टर हरिस एस.ने मेडिकल टीम को बेहतर देखभाल करने के लिए निर्देश दिया है। जिला शिक्षा अधिकारी नितिन दंडसेना ने इस मामले की पुष्टि की है।

शराब पकड़ने गये आबकारी अमले ने ग्रामीण के घर में रखे बैग से 40 हजार निकाल लिये

पीड़ित ने 22 अगस्त को बैंक से निकाले थे पैसे

जोहार छत्तीसगढ़–महासमुंद।

आबकारी विभाग एक बार फिर से विवादों में फंसता नजर आ रहा है। इससे पहले भी विभाग द्वारा वसूलीए धक्का मुक्की और मौत होने के मामले चल रहे हैं। आरोप है की आबकारी विभाग द्वारा फर्जी प्रकरण बनाकर 40 हजार रुपए लेने व धमकाने पर पीड़ित पक्ष ने पुलिस व एसडीएम को आवेदन दिया है।

मामला सिंघोड़ा थाना क्षेत्र के ग्राम मानपाली का है। जहां एक गरीब परिवार ने आबकारी विभाग सरायपाली पर शराब का फ र्जी प्रकरण बनाना, मारपीट करना और 40 हजार रुपए लेने का संगीन आरोप लगाया है। पीड़ित पक्ष के महेंद्री, जयंती बाघ ने थाने में आवेदन देकर की मांग कि है। थाना सिंघोड़ा में मामले की शिकायत करते हुए लिखा है कि 24 अगस्त को दोपहर 3 बजे उनके घर पर आबकारी विभाग का दल पहुंचा। जिसमें 5 पुरुष और एक महिला अधिकारी थी। वे बिना किसी पूर्व सूचना के घर में घुसकर खोजबीन करने लगे। तब घर में दो महिला एवं एक वृद्ध पुरुष सदस्य ही थे। जांच के दौरान दल ने बिरो बाघ का आधार कार्ड तथा जयंती का वोटर आईडी कार्ड और घर में एक बैग में रखे नगदी 40 हजार रुपए को निकाल कर ले गए। प्रार्थी बाघ ने बताया की उक्त जांच में कोई भी शराब अथवा संदिग्ध सामान उनके घर पर नहीं मिला। तो आबकारी के अधिकारियों ने अपने पास रखे शराब को घर के दरवाजे के सामने रखकर फोटो खिंचा और वृद्धि बिरो बाघ को अपने साथ गांव के बाहर ले गए मारपीट कर उसे शराब अपना है कहने को कहा। फि र घर वापस आकर घर में सभी आवेदक का हस्ताक्षर लिया और सभी को छोड़कर चले गए। आगे बताया की आबकारी विभाग के एक कर्मचारी ने स्वयं अपने हाथ से अपना मोबाइल नंबर 7974678635 लिखा और अपना पता जगन्नाथ विहार झिलमिला लिखकर दिया और दूसरे दिन सुबह 20 हजार लेकर आने को कहा अन्यथा घर के सभी लोगों के विरुद्ध कानूनी कारवाही की धमकी दिया गया है। आबकारी विभाग कि झूठी कारवाही के साक्षी महेंद्र टोप्पो, संजीव बाघ हैं। प्रार्थी के अनुसारए जांच के दौरान घर के पुरुष सदस्य भोलानाथ बाघ, राजकुमार बाघ घरेलू कार्य से बाहर गए हुए थे। उन्होंने बताया की, 49000 रुपए 22 अगस्त को बैंक से उसने निकाला था। जिसमें 9000 खर्च करने पर 40000 रुपए शेष बचा था। जिसे आबकारी विभाग के लोग ले गए हैं। पीड़ित परिवार ने आबकारी विभाग द्वारा घर से ले गए 40हजार रुपए को वापस दिलाने एवं सुरक्षा देने की मांग की है।

मामले की जांच की जाएगी

इस मामले में सरायपाली एसडीओपी विकास पाटले का कहना है कि आबकारी विभाग के विरूद्ध शिकायत आई है। जांच पड़ताल करने के बाद ही सत्यता का पता चल पाएगा। मामले की जांच की जाएगी।

कर्मचारियों ने निकाली विशाल मशाल रैली

जोहार छत्तीसगढ़-कोरिया।

छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के बैनर तले जिले में अपने दो सूत्रीय मांगों को लेकर जिले के कर्मचारी अधिकारियों का अनिश्चितकालीन आंदोलन पांचवें दिन भी जारी रहा।

कर्मचारियों के द्वारा केन्द्र के समान देय तिथि से 34: महंगाई भत्ता एवं सातवें वेतनमान के अनुरुप गृह भाड़ा भत्ता न देने के विरोध में न्याय मशाल रैली निकाली गई। जो धरना स्थल प्रेमा बाग से जनपद पंचायत तिराहा फव्वारा चौक घड़ी चौक होते हुए अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कार्यालय तथा अनुविभागीय राजस्व अधिकारी को अपने 2 सूत्रीय मांगों को लेकर प्रदेश के मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपकर रैली एसएसीएल चौक इंदिरा पार्क होते हुए पुन: धरना प्रदर्शन स्थल पर पहुंची मसाल रैली के द्वारा राज्य शासन का ध्यान आकृष्ट करना था।

विदित है कि महंगाई भत्ता एवं गृह भाड़ा भत्ता के संबंध में पर्यवेक्षक ओंकार सिंह ने कहा कि न्यायिक विभाग राजस्व विभाग वन विभाग स्वास्थ्य विभाग पंचायत ग्रामीण विकास विभाग जल संसाधन विभाग ग्रामीण यांत्रिकी विभाग पशु चिकित्सा विभाग कृषि विभाग महिला बाल विकास विभाग के अधिकारी कर्मचारी के हड़ताल पर चले जाने के कारण कार्यालय में ताला लटक रहा है किंतु विभागीय मंत्री को चिंता नहीं है कि कर्मचारियों के दो सूत्रीय मांगों को पूरा कराने मुख्यमंत्री जी से बात कर मांगे पूरा कराना चाहिए और हड़ताल का पटाक्षेप कराना चाहिए परंतु मूकदर्शक बन कर चुप्पी साधे बैठे है।

प्रत्येक कर्मचारी ने हाथ में मशाल थामकर इस एकता रूपी अग्नि को जला, रखने का प्रण लिया जिसमें राजस्व, परिवहन विभाग, पंचायत विभाग,स्वास्थ्य विभाग पीडब्लयू डीपीच ईआर ई एस महिला बाल विकास,कृषि, उद्यानिकी, रेशम, पशु चिकित्सा विभाग, कृषि स्नातक संघ,आरएम, संघ,न्यायिक कर्मचारी संघ,राजपत्रित अधिकारी संघ,सहायक शिक्षक फेडरेशन,वाहन चालक संघ समेत 82 विभागों के कर्मचारी अधिकारी सम्मिलित रहे वरिष्ठ उपाध्यक्ष, पन्ना के द्वारा कहा गया कि हम कर्मचारी लोगों ने जान जोखिम में डालकर कोरोना काल में शासन और जनता की पूरे तन मन से सेवा की है लेकिन आश्चर्य की बात है कि राज्य शासन कर्मचारियों को सम्मानित करने के बजाए उनके हक व अधिकार क। व एचआरए से भी वंचित किया है जबकि पूरा देश व छ ग के पड़ोसी राज्य भी कोरोना महामारी से प्रभावित होते हुए भी अपने कर्मचारियों को हक क। एचआरए स्वीकृत किये हैं। वरिष्ठ पदाधिकारी राजेश ने कहा कि राज्य शासन कर्मचारियों के परेशानी को देखते हुए हमारी मांग पूर्ण करें अन्यथा हमारा आंदोलन और भी तीव्र होगा। डॉ. जेपी कंवर ने कहा कि अभी तक शासन ने सुध नहीं ली है शासन कहती है कि हमारी वित्तीय स्थिति ठीक नहीं है जब 4 वर्ष से वित्तीय स्थिति में सुधार नहीं हो पाया है तो आने वाले 1 वर्ष में शासन ऐसा क्या कर लेगी की वित्तीय स्थिति सुधर जाएगी जब भी कर्मचारियों को देने की बात आती है तो शासन वित्तीय भार का बहाना करती है।

पटवारी संघ से चंद्रिका प्रसाद पैंकरा ने कहा कि हम सुबह बैठेंगे शाम बैठेंगे बैठेंगे पूरी रात लेकर रहेंगे अपना अधिकार सरकार ने अपना वेतन बढ़ा लिया भर लिया अपना पेट राजस्व निरीक्षक संघ के अध्यक्ष मुकेश सिंह ने कहा कि सब्र का बांध अब टूट चुका है कर्मचारी अधिकारियों का गुस्सा फूट चुका है और शासन ने भरी बरसात के के मैदान में बैठने को मजबूर किया है अपने कविता के माध्यम से शासन को जगाने का अभूतपूर्व प्रयास किया न्यायालय कर्मचारी संघ के चतुर्थ वर्ग अध्यक्ष आशीष मिश्रा ने कहा कि एएचआर, हमारी जायज मांगे है येअवश्य पूरी होगी कोषाध्यक्ष शिवलाल राजवाड़े ने कहा कि जब इतिहास लिखा जाएगा तो इस यज्ञ रूपी हड़ताल में आहुति देने वाले हमारे जांबाज कर्मचारी साथियों का नाम सुनहरे अक्षरों में लिखा जाएगा हम सबके हड़ताल से ठप पड़ा हर काम।

एक नजर

सिंघोड़ा पुलिस ने फिर पकड़ा 5 लाख का गांजा ,कार सहित 2 तस्कर गिरफ्तार

जोहार छत्तीसगढ़-महासमुंद।

जिले के सिंघोड़ा पुलिस व साइबर सेल की संयुक्त टीम ने एनएच-53 रेहटीखोल के पास घेराबंदी कर कार से 25 किलो गांजा जब्त कर तस्करी के आरोप में 2 लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के मुताबिक मुखबिर की सूचना पर साइबर सेल व थाना की संयुक्त टीम ने रेहटीखोल के पास चेकिंग की, तभी कार सीजी 04 एच, 2686 बैरियर की ओर आते दिखी, जिसे रोककर तलाशी ली। इस दौरान टीम को 25 पैकेट यानी 25 किलो गांजा मिला। बाद टीम ने तस्करी के आरोप में कार चालक ग्राम अहिल्दा थाना कसडोल निवासी राजेश साहू 20, व ग्राम मेकरी निवासी राजाराम साहू 27 को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अवैध परिवहन के आरोप में कार बरामद कर ली है। कार्रवाई में साइबर सेल प्रभारी संजय सिंह राजपूत, आरक्षक संदीप भोई, सुशांत बेहरा, चितरंजन प्रधान, डिग्री लाल नंद, त्रिनाथ प्रधान, हेमन्त नायक, देव कोसरिया, चंद्रमणि यादव आदि थे।

प्रेस क्लब अध्यक्ष पर सामुदायिक भवन में अवैध कब्जे की शिकायत

जोहार छत्तीसगढ़-महासमुंद।

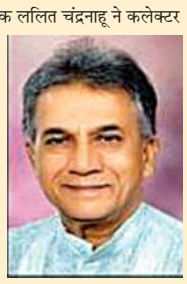

छत्तीसगढ़ किसान मजदूर संघ संयोजक ललित चंद्रनाहू ने कलेक्टर महासमुंद से लिखित शिकायत करते हुये प्रेस क्लब महासमुंद की अध्यक्षा उत्तरा विदानी के विरूद्ध सांसद निधी से निर्मित सामुदायिक भवन में अवैध रूप से कब्जा करने का आरोप लगाते हुये सक्त कार्रवाई किये जाने की मांग की है। उन्होंने उक्त सामुदायिक भवन के संचालन के लिये नगर पालिका को भी अधिकृत किये जाने का निर्देष देने की मांग की है। चंद्रनाहू ने कल 25 अगस्त को लिखित शिकायत में बताया कि महासमुंद में सत्र न्यायधीश आवास के पार्श्व पार्श के शासकीय आबादी भूमि पर वर्ष 2019-20 में तत्कालीन लोकसभा सदस्य चंदुलाल साहू के द्वारा सांसद निधी से 5 लाख रूपये की अनुशंसा पर कलेक्टर महासमुंद की प्रशासकीय स्वीकृति से सामुदायिक भवन का निर्माण किया गया है। चंद्रनाहू के अनुसार सामुदायिक भवन में सांसद का नाम एवं सार्वजनिक उपयोग की सूचना नहीं होने पर योजना एवं सांख्यिकी विभाग महासमुंद के द्वारा कार्यवाही नहीं किया गया है। चंद्रनाहू का आरोप है कि उक्त सामुदायिक भवन में प्रेस क्लब महासमुंद का बोर्ड और भवन में ताला लगाकर अवैध कब्जा किया गया है। सामुदायिक भवन में आम नागरिकों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाया गया है। जिससे लोकसभा सचिवालय के दिशा निर्देश का उल्लंघन और नागरिक अधिकार का हनन हो रहा है। उन्होंने सामुदायिक भवन पर कब्जा के विरूद्ध प्रेस क्लब अध्यक्ष पर कार्यवाही की मांग की है। चंद्रनाहू ने अपनी शिकायत से लोकसभा सचिवालय भारत सरकार नई दिल्ली के सचिव तथा छत्तीसगढ शासन के मुख्य सचिव को भी अवगत कराकर निर्देश जारी किये जाने की मांग की है।

जहां उद्देश्य बड़ा होता है वहां जाना मुझे बड़ा अच्छा लगता है -राशि त्रिभुवन महिलांग

जोहार छत्तीसगढ़-महासमुंद।

विश्व जल संरक्षण सप्ताह के तहत वन है तो जल हैए जल है तो सुनहरा कल है के उद्देश्य को लेकर भारतीय सांस्कृतिक निधि इंटैक द्वारा आज स्थानीय संजय कानन स्थित कृष्ण कुंज में पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें बिलुप्त हो रहे प्रजाति के पौधा रोपा गया। बागबाहरा रोड स्थित संजय कानन में शुक्रवार को भारतीय सांस्कृतिक निधि इंटैक द्वारा पौधरोपण कार्यक्रम रखा गया। जिसमें बतौर मुख्य अतिथि के रूप में नगर पालिका अध्यक्ष राशि त्रिभुवन महिलांग ने कहा कि जहां उद्देश्य बड़ा होता है वहां जाना मुझे बड़ा अच्छा लगता है। यह जरूरी नही कि वहां अच्छी खासी भीड़ और बड़ों बड़ों का जमावड़ा हो। नपाध्यक्ष श्रीमती महिलांग ने कहा इंटैक अध्याय विरासतों के संरक्षण की दिशा में लोगों को जोड़ने की दिशा में उल्लेखनीय भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा बिलुप्त हो रहे प्राकृतिक संपदा को आज सहजना अतिआवश्यक है। जिसे इंटैक द्वारा किया जा रहा है जो सराहनीय है। उन्होंने कहा पौधरोपण में लीक से हटकर वनौषधि महत्व के हर्रा, बहरा, आँवला, महुआ, कोसम, बेल, भेलवा, अडूसा, आम और इमली जैसे पौधों का रोपण नगरीय क्षेत्र में मिश्रित वन विकसित करने का अच्छा संदेश नगर से राज्य और राज्य से पूरे देश में जायेगा। अध्यक्षता सेवानिवृत प्राचार्य मानकलाल चंद्राकर एवं विशेष अतिथि अरिश अनवर थे। संयोजक दाऊलाल चंद्राकर ने स्वागत भाषण दिया और सह संयोजक राजेश्वर खरे ने वन एवं पशुधन संवर्धन महत्व की छत्तीसगढ़ी लोककथा एक पेड़ आम प्रस्तुत किया। इसके पूर्व अतिथियों ने भगवान श्रीकृष्ण की काष्ठ प्रतिमा की पूजा .अर्चना कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कवि हृदय रूपेश तिवारी के संचालन में आयोजित इस कार्यक्रम में एप्सो के जिला अध्यक्ष प्रमोद तिवारी, काव्यांश परिवार से द्रौपदी साहू, जयराम पटेल, डी.बसंत साव, दिशा नाट्य कला मंच से नरेश साहू, इंटैक परिवार से डॉ. आर यादव,रघुनाथ सिन्हा, प्रमोद कन्नौजे, राजेन्द्र चंद्राकर, मानक नामदेव व पत्रकार सालिकराम कन्नौजे, जयदेव सिंह एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। कार्यक्रम को सफल बनाने में वन विस्तार सामाजिक वानिकी मण्डल, वनमण्डल सामान्य वन विभाग एवं नगर पालिका परिषद का सराहनीय सहयोग रहा।

सनातन धर्म और संस्कृति के प्रचार-प्रसार के महा अभियान में गिलहरी की भूमिका निभाने को तैयार- योगेश तिवारी

जोहार छत्तीसगढ़-बेमेतरा।

स्थानीय कृषि उपज मंडी प्रांगण में हरि लीलामृत सेवा संस्थान के तत्वाधान में आयोजित शिव महापुराण का शुक्रवार को समापन हुआ। इस दौरान रायपुर विधायक बृजमोहन अग्रवाल, पूर्व संसदीय सचिव लाभचंद बाफना, किसान नेता योगेश तिवारी, वरिष्ठ नागरिक अलधेश चंदेल सुरेंद्र छाबड़ा, राजेन्द्र शर्मा विजय सिन्हा हर्षवर्धन तिवारी राजेश दीवान सुरेश पटेल राकेश मोहन शर्मा पार्षद नीतू कोठारी समेत अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। 19 अगस्त से आठ दिवसीय संगीतमयी शिव महापुराण का आयोजन रखा गया था । इस अवसर पर रोजाना दिव्य पार्थिवेश्वर महा रुद्राभिषेक किया गया। वृंदावन धाम उत्तर प्रदेश से पधारी ख्याति प्राप्त कथा वाचक बाल साध्वी मानस पुत्री दीदी पुष्पांजलि ने महापुराण के दौरान भगवान शिव की महिमा का बखान किया। समापन के अवसर पर आम लंगर का आयोजन किया गया। जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। अतिथियों ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन से हर वर्ग में अध्यात्म और भक्ति की भावना का संचार होता है। इस दौरान पूर्व पार्षद रीता पांडे, माधुरी दीवान, जिया खियालानी, रानू वर्मा, गिरीश गबेल, विक्रम पटेल, अजय मिश्रा, तुषार साहू, दिलीप पटेल, सत्यम शर्मा समेत हजारों महिला व पुरूष आयोजन में उपस्थित रहे।

जीवन काल में 1008 शिव महापुराण आयोजन का संकल्प

इस अवसर पर किसान नेता योगेश तिवारी ने विशेष पूजा अर्चना में शामिल होकर, क्षेत्रवासियों की समृद्धि व खुशहाली की कामना किया। किसान नेता ने बताया कि बेरला शहर में 8 से 16 दिसंबर तक शिव महापुराण का आयोजन किया जाएगा। इस महापुराण में पुष्पांजलि दीदी के द्वारा कथा वाचन किया जाएगा। किसान नेता ने बताया कि वृंदावन उत्तर प्रदेश से पधारी पुष्पांजलि दीदी ने अपने जीवन काल में 1008 शिव महापुराण आयोजन का संकल्प लिया है। सनातन धर्म और संस्कृति के प्रचार-प्रसार के इस महा अभियान में गिलहरी की भूमिका निभाने को तैयार है। इसलिए बेरला के पावन धरा में शिव महापुराण का आयोजन रखा गया है।

शिव महिमा का बखान बड़ी सरलता व सहजता से किया

इस अवसर पर किसान नेता योगेश तिवारी ने अपने संबोधन में कहा कि बेमेतरा की पावन धरा में इस तरह के धार्मिक आयोजन लगातार हो रहे हैं । जिसमें क्षेत्र के हजारों श्रद्धालु शामिल होकर भक्ति से भाव विभोर होकर आनंद लेते हैं। पूर्व में मंडी प्रांगण में तीन बार श्रीमद् भागवत महापुराण का आयोजन हो चुका है। इन आयोजनों के दौरान गुरुओं से मिले आदेश को पालन करता हूं। शिव महापुराण में पुष्पांजलि दीदी ने भगवान शिव की महिमा का बखान बड़ी सरलता व सहजता से किया है। जिसे हम सभी श्रद्धालुओं ने ध्यान से श्रवण किया है। दीदी के बताए संदेश को आत्मसात कर जीवन को सफल बनाने का प्रयास करेंगे।

बालको के उत्कृष्ट जल प्रबंधन से स्थानीय जीवन स्तर में आया बदलाव

कोरबा । वेदांता समूह की कंपनी भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड बालको जल प्रबंधन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर रही है। स्थानीय समुदायों के लिए कृषि तालाब, सामुदायिक तालाब और चेक डैम का निर्माण तथा कायाकल्प करगुणवत्तापूर्ण जलके भंडारण में वृद्धि की है। बालको ने अपनी जल प्रबंधन परियोजनाओं से पेयजल एवं कृषि कार्य हेतु स्थानीय नागरिकों की जरूरतों को पूरा करने और आसपास के पारिस्थितिकी तंत्र के संतुलन को बनाए रखने के लिए पानी की उपलब्धता को सुनिश्चित किया है। स्थानीय समुदायों के लिए सिंचाई और पीने के पानी की जरूरतों में सहायता करते हुए बालको ने वित्त वर्ष 2023 में लगभग 21 मिलियन लीटर की कुल भंडारण क्षमता के साथ कुल 108 पानी के बुनियादी ढांचे, जिसमें 19 कृषि तालाब, 2 सामुदायिक तालाब, 81 चेक डैम, 6 कुएं का निर्माण किया है। अबतक कंपनी ने 85 मिलियन लीटर की संचयी भंडारण क्षमता के साथ इस क्षेत्र में 150 से अधिक चेक डैम, कृषि तालाब, सामुदायिक तालाब आदि विकसित किए हैं।

पहाड़ी कोरवा महिला ने मांगी नौकरी, ग्रेजुएट होने के साथ कंप्यूटर की पढ़ाई फिर भी सूची में नाम नहीं

कोरबा । कोरबा जिले में करतला ब्लॉक के डोंगाआमा निवासी छत्तकुंवर कोरवा ने योग्यता के अनुसार सरकारी नौकरी देने की मांग की है। रामपुर विधायक ननकीराम कंवर को भी महिला ने अपनी मांग के संबंध में जानकारी दी तो आदिवासी विकास विभाग कोरबा के सहायक आयुक्त से आवेदिका का नाम सर्वे सूची में नहीं होने की वजह से अवगत कराने कहा है।

एसडीओपी बेमेतरा ने किया थाना दाढ़ी का द्वितीय अर्धवार्षिक निरीक्षण

जोहार छत्तीसगढ़-बेमेतरा।

पुलिस अधीक्षक बेमेतरा धर्मेन्द्र सिंह एवं अति पुलिस अधीक्षक पंकज पटेल के निर्देशन पर एसडीओपी बेमेतरा राजीव शर्मा ने थाना दाढी का द्वतीय अर्धवार्षिक एवं किट निरीक्षण किया गया।

एसडीओपी शर्मा द्वारा किट निरीक्षण के दौरान उपस्थित अधिकारी-कर्मचारियों का मनोबल बढाये जाने के साथ ही कानून व सुरक्षा व्यवस्था को बनाये रखते हुए बेहतर पुलिसिंग के बारे में मार्गदर्शन दिया गया। साथ ही निरीक्षण के दौरान पुलिस जवानो को हमेशा खुश रहने का टिप्स दिये व उनकी समस्याओं को सुनते हुए यथोचित निराकरण का आश्वासन दिया गया। तथा थाना की साफ-सफाई हेतु विशेष ध्यान रखने तथा लंबित अपराधो, मर्ग, गुम, शिकायत और लंबित वारंटो की निकाल करनेए थाना में रिपोर्ट करने आये महिला आगंतुक ध् रिपोर्टकर्ता से संयमित व्यवहार करने एवं उनकी रिपोर्ट को गंभीरता पुर्वक लेते हुये तत्काल उचित कार्यवाही करने निर्देश दिये गये। निरीक्षण के दौरान थाना प्रभारी दाढी निरीक्षक पुष्पेन्द्र भट्ट, सउनि सुभाष सिंह,प्रधान आरक्षक कामता प्रसाद, रामकुमार दिवाकर, यागेश्वर देशमुख, एसडीओपी बेमेतरा रीडर प्र.आर महेन्द्र शर्मा,आर पुकेश्वर दिल्लीवार, अर्जुन चंद्राकर,आरक्षक बालमुकुंद सिंह, छत्रुलाल टंडन, लालचंद भारती, ओंकार निर्मलकर, कपील चंद्रवंशी, केशव विश्वकर्मा, अशरफ ी खान, अनिल निषाद, राजेश कुर्रे,कपील चंद्रवंशी, चंद्र कुमार पटेल एवं अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

प्रभारी सचिव ने सी-मार्ट का अवलोकन कर उत्पाद की ली जानकारी

जोहार छत्तीसगढ़-बेमेतरा।

बेमेतरा जिले की प्रभारी सचिव आर संगीता ने जिला मुख्यालय बेमेतरा में संचालित सी-मार्ट भवन का मुआयना किया और महिला समूह द्वारा बेचे जा रहे उत्पाद की जानकारी ली। अधिकारियों ने बताया कि सी.मार्ट में अब तक एक लाख तीन हजार रुपये की सामग्री बेची जा चुकी है

इसका संचालन महिला स्व.सहायता समूह द्वारा किया जा रहा है। इस दौरान उन्होंने सी-मार्ट स्टोर में महिला समूहों द्वारा बनाए गए विभिन्न प्रकार के हर्बल साबुन, आचार, मसाले, मुर्रा, दोना.पत्तल, काजु, विभिन्न प्रकार के शर्बत, देवभोग के डेयरी प्रोडक्ट,कोरिया की हर्बल चाय, लेमन ग्रास चाय, विभिन्न ऑइल से लेकर डिशवॉशर, टायलेट फ्लोर क्लीनर, मशरूम पाउडर, शहदए तेल.गुड़, देसी चना, लाल चॉवल आदि की जानकारी ली। सी.मार्ट द्वारा अब तक 14.57 लाख रुपये की समाग्री का विक्रय किया गया। जिसमें महिला स्व.सहायता समूह को 3.64 लाख की आमदनी हुई। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ लीना मण्डावी, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व बेमेतरा युगल किशोर उर्वशा, जनपद पंचायत बेमेतरा परियोजन अधिकारी मनरेगा संदीप वारे सहित सी-मार्ट के स्टाप उपस्थित थे।

मौका मिला तो साउथ फिल्मों में भी काम करना चाहुंगी : स्मृति श्रीकांत

दिल्ली की रहने वाली अदाकारा स्मृति श्रीकांत ने हाल ही में अपना धमाकेदार बॉलीवुड डेब्यू किया है। स्मृति श्रीकांत हालिया रिलीज हुई अक्षय कुमार स्टारर फिल्म रक्षाबंधन में एक अहम किरदार में नजर आई हैं। अदाकारा ने इस फिल्म में अक्षय कुमार की बहन लक्ष्मी का किरदार निभाया है। जिसे लोगों ने काफी पसंद किया।

इस फिल्म में अक्षय कुमार की सांवली बहन लक्ष्मी का किरदार निभाकर सफल बॉलीवुड डेब्यू करने वाली अदाकारा स्मृति श्रीकांत ने बताया कि उन्हें कैसे निर्देशक आनंद एल रॉय के प्रोडक्शन बैनर तले बनी इस फिल्म का ऑफर मिला और फिल्म की शूटिंग के दौरान अक्षय कुमार के साथ काम करने का उनका अनुभव कैसा रहा? मूल रूप में चेन्नई से ताल्लुक रखने वाली स्मृति श्रीकांत ने खुलासा किया कि अगर उन्हें मौका मिला तो वो साउथ सिनेमा इंडस्ट्री में भी काम करना चाहेंगी। यही नहीं, अदाकारा ने बताया कि वो साउथ के किन हीरो के साथ काम करने के लिए एक्साइटेड हैं। अक्षय कुमार के साथ काम करने के अनुभव के बारे में बात करते हुए एक्ट्रेस ने कहा ये एक सपने के सच होने के जैसा था। मेरी पहली फिल्म अक्षय कुमार के साथ हुई। जब मुझे इस फिल्म का ऑफर मिला था तब मुझे इस बारे में नहीं बताया गया था। पहले मैने इस फिल्म के लिए ऑडिशन दिया। इसके बाद काफी दिन बाद मुझे प्रोडक्शन कंपनी से कंफर्मेशन का कॉल आया था। उस वक्त तो मैं खुद भी भूल गई थी कि मैंने कब इस फिल्म का ऑडिशन दिया था। क्योंकि 3-4 महीने हो गए थे। फिर जब मुझे पता चला कि फिल्म अक्षय कुमार के साथ है, निर्देशक आनंद एल राय बना रहे हैं तो मैं सांतवे आसमान पर थी।

बबिता जी के इस वीडियो ने इंटरनेट पर लगाई आग, देखकर फैंस हुए मदहोश

टेलीविज़न के चर्चित कॉमेडी शो तारक मेहता का उल्टा चश्मा में बबीता जी की भूमिका निभाने वालीं अभिनेत्री मुनमुन दत्ता (Munmun Dutta) सोशल मीडिया पर अपनी तस्वीरें और वीडियोज साझा करती हैं। मुनमुन की तस्वीरें और वीडियोज को प्रशंसक बहुत पसंद करते हैं तथा उन पर खूब प्यार लुटाते हैं। इस बीच मुनमुन का एक सिजलिंग वीडियो सामने आया है, जिसे प्रशंसक पसंद कर रहे हैं।

दरअसल, मुनमुन अक्सर इंस्टाग्राम पर अपनी तस्वीरें और वीडियोज साझा करती हैं, जिन में उनका ग्लैमरस अवतार दिखाई देता है। ऐसा ही कुछ उन्होंने एक बार फिर किया है। मुनमुन के नए वीडियो के आरम्भ में कपड़े, जूते और एससरीज दिखाई देती हैं और फिर उनको पहने हुए ही बहुत स्टाइलिश अंदाज में मुनमुन नजर आती हैं। मुनमुन किलर पोज देती दिखती हैं तथा फिर वीडियो खत्म। सोशल मीडिया यूजर्स और स्टार्स भी इस वीडियो को पसंद कर रहे हैं। बता दें कि मुनमुन केवल प्रोफेशनली ही नहीं व्यक्तिगत कारणों के चलते भी खबरों में रहती हैं। कभी उनका नाम राज अनदकट संग जुड़ता है तो कभी जातिसूचक टिप्पणी करने को लेकर उनकी गिरफ्तारी होती है। हर बार मुनमुन आकर पूरी सच्चाई बताती हैं। इस वर्ष की फरवरी में मुनमुन को पुलिस ने गिरफ्तार किया था तथा उन्हें बाद में जमानत मिल गई थी।

कार्तिकेय 2 ने बॉक्स ऑफिस पर बॉलीवुड फिल्मों को दी मात

पिछले काफी समय से बॉलीवुड फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप होती जा रही हैं. वहीं साउथ फिल्में लगातार थिएटर पर अच्छी कमाई कर रही हैं. हाल ही में छोटे बजट की फिल्म कार्तिकेय 2 बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है. फिल्म रिलीज को दो हफ्ते हो चुके हैं वहीं फिल्म की कमाई लगातार बढ़ रही है. आइए जानते हैं फिल्म ने अब तक कितनी कमाई की है. कार्तिकेय 2 को बॉक्स ऑफिस पर काफी पसंद किया जा रहा है. फिल्म ने आमिर खान की लाल सिंह चड्ढा और अक्षय कुमार की फिल्म रक्षा बंधन को कमाई के मामले में पीछे छोड़ दिया है. निखिल सिद्धार्थ की इस फिल्म ने अब तक कंगना से लेकर राज कुमार राव जैसे बड़े स्टार्स की फिल्म को धूल चटा दी है.

छोटे बजट में बनी साउथ की फिल्म कार्तिकेय 2 ने इंटरनेट पर धमाल मचा रही है. वहीं अगर फिल्म की कमाई पर बात करें तो जाने-माने ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने कार्तिकेय 2 फिल्म की कमाई शेयर करती है. फिल्म में हिंदी बेल्ट में अब तक 1.25 करोड़ रुपये की कमाई की है. शुक्रवार को फिल्म ने 2.46 करोड़ और शनिवार को फिल्म की कमाई का आंकड़ा बढ़कर 3.04 करोड़ रुपये हो गया है।

ऋतिक और सैफ की विक्रम वेधा का टीजर रिलीज, दिखा दोनों का दमदार अंदाज

ऋतिक रोशन इन दिनों अपनी फिल्म विक्रम वेधा को लेकर चर्चा में हैं। कुछ दिन पहले ट्विटर पर फिल्म को लेकर बायकॉट भी ट्रेंड किया था। इस फिल्म में ऋतिक के साथ सैफ अली खान मुख्य भूमिका में हैं। यह एक ऐक्शन ड्रामा फिल्म है। पर्दे पर ऋतिक और सैफ को एकसाथ देखना दिलचस्प होगा।

बुधवार को टी-सीरीज ने फिल्म का टीजर रिलीज कर दिया है। टीजर में ऋतिक और सैफ का बेहतरीन प्रदर्शन दिखाई दे रहा है। फिल्म में सैफ एक पुलिस अफसर विक्रम का किरदार निभा रहे हैं, वहीं ऋतिक का किरदार गैंगस्टर वेधा का है। टीजर में नजर आ रहा है कि ऋतिक अपने ग्रे अवतार से पर्दे पर कमाल करने वाले हैं। वहीं सैफ का किरदार विक्रम, वेधा को पकड़े की उधेड़बुन में फंसा हुआ है। टीजर वेधा के नैरेशन पर आधारित है। वेधा की बातें दर्शकों में फिल्म के लिए रोमांच पैदा करने वाली हैं।

खेल

मुहम्मद अली-स्टीफन करी से हुई सेरेना विलियम्स की तुलना

दिग्गज बोले- सेरेना ने दुनिया भर की महिलाओं और लड़कियों को प्रेरित किया

अमेरिकी स्टार सेरेना विलियम्स टेनिस से संन्यास लेने वाली हैं। 23 बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन सेरेना इसका ऐलान कर चुकी हैं वे जल्द की कोर्ट को अलविदा कह सकती हैं। न्यूयार्क में 29 अगस्त से शुरू हो रहा साल का आखिरी ग्रैंड स्लैम उनका आखिरी टूर्नामेंट हो सकता है।

ऐसे में टेनिस के पूर्व दिग्गजों ने सेरेना की तारीफ करते हुए उनकी तुलना महान मुक्केबाज मुहम्मद अली से की है। रिटायर्ड अमेरिकी टेनिस स्टार जॉन मैकनरो और क्रिस एवर्ट ने कहा कि मुहम्मद अली की तरह ही सेरेना विलियम्स भी खेल के महानतम दिग्गजों में से एक हैं।

यूएस ओपन के लिए ईएसपीएन पर कमेंट्री की जिम्मेदारी संभालने से पहले एवर्ट ने 23 बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन सेरेना की सराहना की। 18 बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन एवर्ट ने कहा, उनका इस खेल पर काफी प्रभाव है। वे खेल में क्रांतिकारी बदलाव लेकर आईं और उन्होंने दुनियाभर में लड़कियों और महिलाओं को खेलने के लिए प्रेरित किया। यह बताता है कि वे कितनी बड़ी स्टार हैं।

जो चीज मुझे सबसे ज्यादा प्रभावित करती है, वह यह है कि उन्होंने किस तरह टेनिस कोर्ट के बाहर भी असर डाला। उन्होंने युवा महिलाओं को अपनी ताकत में विश्वास रखने, अपने मन की बात कहने, निडर होने के लिए प्रेरित किया।

एवर्ट ने विलियम्स को दूसरों के लिए प्रेरणा बताया। उन्होंने कहा, %वे कोर्ट से बाहर बहुत प्रेरणादायक रही हैं। कोर्ट पर उनका रिकॉर्ड, उनकी ताकत, उसकी मानसिक दृढ़ता जाहिर है, लेकिन उनकी निडरता ने मुझे वास्तव में प्रभावित किया है।

उन्होंने टेनिस या जीवन में कभी कोई सीमा निर्धारित नहीं की है। जब इस साल के यूएस ओपन की बात आई, तो एवर्ट ने चेतावनी दी उन्हें कम मत समझो लेकिन स्वीकार किया, दूसरे सप्ताह तक पहुंचना उनके लिए कठिन होने वाला है। जबकि मैकेनरो ने कहा, कुछ भी हो सकता है।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए न्यूजीलैंड ने किया 15 खिलाड़ियों की टीम का ऐलान

नई दिल्ली । न्यूजीलैंड ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी तीन मैच की वनडे सीरीज के लिए 15 खिलाड़ियों की टीम का ऐलान कर दिया है। इस टीम में मैट हेनरी की वापसी हुई है। हेनरी पसली की चोट के चलते वेस्टइंडीज दौरे से बाहर हुए थे। वेस्टइंडीज को न्यूजीलैंड ने कैरेबियन धरती पर पहली बार वनडे सीरीज में 2-1 से मात दी। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ न्यूजीलैंड पहला मुकाबला 6 सितंबर को कर्न्सो के काज़ली स्टेडियम में खेलेगी। सीरीज के अन्य दो मुकाबले इसी मैदान पर 8 और 11 सितंबर को खेले जाएंगे। चैपल-हैडली ट्रॉफी के लिए 15 खिलाड़ियों की इस टीम में ईश सोढ़ी को छोड़कर बाकी खिलाड़ी वही हैं जो वेस्टइंडीज दौरे पर गए थे। मैट हेनरी के रिप्लेसमेंट के तौर पर टीम से जुड़े बेन सियर्स के साथ ग्लेन फिलिप्स ने भी ऑस्ट्रेलिया दौरे पर अपनी जगह बनाई है। इस वजह से हेनरी निकोल्स और विल यंग को टीम में जगह नहीं मिली है। वहीं काइल जैमीसन और एडम मिल्ने चोट के चलते बाहर हैं।

एक नजर

बीसीसीआई का आधिकारिक ऐलान, वीवीएस लक्ष्मन बने टीम इंडिया के अंतरिम कोच

मुंबई । भारत के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज़ और राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण राहुल द्रविड़ की अनुपस्थिति में एशिया कप 2022 के लिये भारत के अंतरिम मुख्य कोच होंगे। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह ने यह जानकारी दी। भारतीय टीम के स्थायी कोच राहुल द्रविड़ का किया गया कोरोना परिक्षण पॉजिटिव आया था, जिसके बाद वह टीम के साथ एशिया कप के लिये संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) रवाना नहीं हो सके। जय शाह ने यहां जारी विज्ञप्ति में कहा, ज़िम्बाब्वे में हुई एकदिवसीय श्रृंखला में भारतीय टीम के साथ सफर करने वाले लक्ष्मण द्रविड़ की अनुपस्थिति में टीम का कार्यभार संभालेंगे। द्रविड़ एक बार कोरोना मुक्त होने और बीसीसीआई मेडिकल टीम द्वारा मंजूरी मिलने के बाद टीम में शामिल हो जाएंगे। लक्ष्मण हरारे से यात्रा करके उप-कप्तान केएल राहुल, दीपक हुड्डा और आवेश खान सहित दुबई में टीम के साथ जुड़ चुके हैं।

विराट कोहली और रोहित शर्मा ने नेट्स सेशन में दिखाया आक्रामक अंदाज

नई दिल्ली । एशिया कप 2022 की तैयारियों के लिए टीम इंडिया ने अपने पहले प्रैक्टिस सेशन में हिस्सा लिया। इस दौरान भारतीय कप्तान रोहित शर्मा के साथ विराट कोहली ने जमकर पसीना बहाया। दोनों ही स्टार खिलाड़ी आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए दिखाई दिए। बता दें, खराब फॉर्म से गुजर रहे विराट कोहली ने आईपीएल 2022 के बाद सिर्फ इंग्लैंड दौरे पर मैच खेले हैं। इसके बाद उन्होंने वेस्टइंडीज दौरे के लिए आराम मांगा था और वह जिम्बाब्वे टूर पर भी टीम इंडिया का हिस्सा नहीं थे।

विराट कोहली और रोहित शर्मा ने पहले नेट सेशन में बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह के साथ स्पिनर्स की तिकड़ी युजवेंद्र चहल, रविंद्र जडेजा और रविचंद्रन अश्विन का सामना किया। कोहली स्पिनर्स की गेंदों पर कदमों का इस्तेमाल कर बड़े-बड़े शॉट खेलते हुए नजर आए, वहीं अर्शदीप की गेंदों पर उन्होंने अपना क्लास दिखाया। वहीं जब कोहली के बाद रोहित बैटिंग करने उतरे तो शुरुआत में उन्होंने कुछ गेंदों को आराम से खेला, मगर उसके बाद वह भी आक्रामक रूप में शॉट्स खेलते हुए दिखाई दिए। एशिया कप 2022 में भारतीय टीम अपने अभियान का आगाज चिर प्रतिद्वंदी पाकिस्तान के खिलाफ 28 अगस्त को करेगी। टी20 वर्ल्ड कप 2021 के बाद यह दोनों टीमें पहली बार आमने सामने होगी।

वर्ल्ड बैडमिंटन चैंपियनशिप में दिखी अनोखी जोड़ी

33 साल के बेटे को पार्टनर नहीं मिला तो 64 साल की मां खुद कोर्ट में उतरीं, मिस्र को हराया

टोक्यो में चल रही बैडमिंटन वर्ल्ड चैंपियनशिप में मां-बेटे की अनोखी जोड़ी खेलने उतरी। यहां 64 साल की मां स्वेतलाना और अपने 33 साल के बेटे मीसा के साथ इजरायल की ओर से मिक्स डबल्स मुकाबला खेल रही थीं। इस जोड़ी ने पहले मुकाबले में मिस्र के अदम हतेम एल्गामल और दोहा की टीम को 2-1 से हराया। इस जीत के साथ स्वेतलाना जिल्बरमैन बैडमिंटन वर्ल्ड चैंपियनशिप में मैच जीतने वाली दुनिया की सबसे ज्यादा उम्र की बैडमिंटन खिलाड़ी बन गई हैं। बैडमिंटन वर्ल्ड चैंपियनशिप में उनसे छोटे खिलाड़ी की उम्र 21 साल कम है।

स्वेतलाना कहती हैं, अगले साल कोपेनहेगन में होने वाले टूर्नामेंट में हिस्सा लेकर अपना ये रिकॉर्ड वे और बेहतर करेंगी। इसके बाद उनका सपना बेटे के साथ ओलिंपिक खेलने का भी है। वे अपने बेटे की कोच भी हैं। जब उनके बेटे को कोई पार्टनर नहीं मिला तो वे खुद बैडमिंटन कोर्ट में उतर गईं।

इसके बाद 25 साल की उम्र में सोवियत यूनियन की तरफ से उन्हें इसलिए नहीं खेलने दिया गया था कि उनकी उम्र ज्यादा थी। उसके बाद वे अपने पति और कोच के साथ इजरायल चली आईं। अब करीब 4 दशक बाद वे दुनिया की सबसे बड़ी बैडमिंटन प्रतियोगिता में सबसे ज्यादा उम्र की खिलाड़ी बन गई हैं। वे अपने बेटे के साथ रोज 4 घंटे प्रैक्टिस करती हैं। स्वेतलाना कहती हैं, हम चीन और दक्षिण कोरिया जैसी टीमों को हराने के लिए खेल रहे हैं। एक दिन हम कुछ बड़ा करेंगे। दुनिया के 47वें नंबर के खिलाड़ी मीसा कहते हैं, मैं 30 साल की उम्र में रिटायरमेंट के बारे में सोच रहा था, लेकिन मेरी मां मेरी प्रेरणा हैं। वे अब भी खेल रही हैं।

वर्ल्ड चैंपियनशिप में भारत का पहला मेंस डबल्स मेडल पक्का

बैडमिंटन खिलाड़ी रैंकीरेड्डी-चिराग शेट्टी ने जापान की डिफेंडिंग चैंपियन जोड़ी को हराया

आंध्र प्रदेश के सात्विकसाईराज रैंकीरेड्डी और महाराष्ट्र के चिराग शेट्टी की जोड़ी ने वर्ल्ड बैडमिंटन चैंपियनशिप के मौजूदा सीजन में भारत का पहला मेडल पक्का कर लिया है। यह भारत का वर्ल्ड चैंपियनशिप में मेंस डबल्स का पहला मेडल है। इससे पहले 2011 में ज्वाला गुट्टा और अश्विनी पोनप्पा ने विमेंस डबल्स में ब्रॉन्ज जीता था। जापान में खेली जा रही चैंपियनशिप के मेंस डबल्स इवेंट में रैंकीरेड्डी-अर्जुन की भारतीय जोड़ी ने डिफेंडिंग चैंपियन जापान के ताकुरो होकी-यूगो कोबायाशी को 24-22, 15-21, 21-14 से हराते हुए सेमीफाइनल में प्रवेश कर गई। यह मुकाबला एक घंटे 15 मिनट तक चला। फाइनल के लिए इस जोड़ी का सामना एरोन चिया-सू वोई यीक की मलेशियाई जोड़ी से होगा। मेंस डबल्स के एक अन्य क्वार्टर फाइनल में ध्रुव-अर्जुन की गैरवरीय भारतीय जोड़ी को इंडोनेशिया के मोहम्मद अहसान-हेंड्रा सेतियावान की तीसरी सीड जोड़ी ने 21-8, 21-14 से हराया। यह मैच 30 मिनट तक चला। इस जोड़ी ने ही यांग काई टेरी और लोह कीन हियान की सिंगापुर की जोड़ी को 18-21, 21-15, 21-16 से हराकर टॉप-8 में जगह बनाई थी।

चिरमिरी को जिला मुख्यालय बनाने की मांग, जिला बनाओ संघर्ष समिति का प्रदर्शन

कोरिया। कोरिया जिला का विभाजन कर नया जिला मनेंद्रगढ़-भरतपुर-चिरमिरी बनाने की मुख्यमंत्री के घोषणा के बाद से ही जिला मुख्यालय चिरमिरी को बनाने के लिए धरना प्रदर्शन का सिलसिला शुरू है।

चिरमिरी में जिला मुख्यालय बनाने को लेकर कई महीनों से धरना प्रदर्शन किए जा रहे,जिला मुख्यालय की मांग को लेकर चिरमिरी के रहवासियों ने चिरमिरी से पदयात्रा शुरू कर रायपुर पहुंचकर मुख्यमंत्री को ज्ञापन भी सौंपा ,लेकिन अब जिला मुख्यालय कहीं और बनाने की बात की भनक लगते ही आज चिरमिरी जिला मुख्यालय बनाओ संघर्ष समिति द्वारा चिरमिरी हल्दीबाड़ी मुख्य चौक पर चक्का जाम कर अपना विरोध प्रदर्शन किया।चिरमिरी जिला बनाओ संघर्ष समिति द्वारा शासन प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। जिला बनाओ संघर्ष समिति द्वारा चक्का जाम 11 बजे दिन से लेकर दोपहर 2:00 बजे तक किया गया। चक्का जाम के दौरान मुख्य सड़क लगभग चार घंटो तक बाधित रहा। इस बीच आवागमन करने वाले लोगों को काफी परेशानी झेलनी पड़ी। मौके पर पहुंची पुलिस ने बड़ी मशक्कत के बाद आवागमन की व्यवस्था को दुरुस्त कर पाया । इस बीच प्रदर्शनकारियों एवम पुलिस के बीच झूम-झटकी की भी खबरे सामने आई है।

एक नजर

बेरोजगारी महंगाई के विरोध में कांग्रेस की चौपाल

गरियाबंद । राजिम विधायक अमितेश शुक्ल के नेतृत्व आज महंगाई चौपाल आयोजित की गई। कृषि उपज मंडी प्रांगण में आयोजित इस चौपाल कार्यक्रम में कांग्रेसियों ने बेरोजगारी महंगाई के मुद्दे पर भाजपा की केंद्र सरकार को खूब लताड़ा। दोपहर बाद यहां पहुंचे विधायक अमितेश शुक्ल का कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक स्वागत किया। अपने उद्बोधन में शुक्ल ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार देशभक्ति , रामराज्य और राष्ट्रवाद के नाम लोगों को गुमराह कर रही है। देश की आजादी के लिए संघर्षशील रहे कांग्रेस के नायकों का गुणगान , भाजपा अब अपने हित के लिए कर रही है। यूपीए शासन के दौरान 400 रुपये के सिलेंडर पर हल्ला मचाने वाली स्मृति ईरानी आज 1200 रुपये के गैस सिलेंडर पर चुप्पी साधे हुए हैं। बेरोजगारी महंगाई के विरोध में आयोजित इस चौपाल कार्यक्रम में कांग्रेस के जिला अध्यक्ष भावसिंग साहू ने कहा कि नरेंद्र मोदी की विफल आर्थिक नीतियों के कारण देश में महंगाई रिकार्ड स्तर पर है। विगत 14 महीनों से महंगाई दर दोहरे अंकों में है। पेट्रोल डीजल सीएनजी एवं रसोई गैस से लेकर अनाज ,दालें, खाने का तेल जैसी जरूरी चींजों की कीमतें आसमान छू रही है। मोदी सरकार द्वारा आटा ,चावल , दही, पनीर ,शहद जैसी रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुओं में जीएसटी लगाने से महंगाई और बढ़ी है। नगर पालिका परिषद के युवा एल्डरमैन मुकेश रामटेके ने कहा कि मोदी राज में लोग एक तरफ महंगाई की मार से त्रस्त है तो दूसरी ओर बेरोजगारी का दंश झेलने को मजबूर हैं। चौपाल का संचालन वरिष्ठ कांग्रेसी कृष्ण कुमार शर्मा द्वारा किया गया। ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष हाफिज खान द्वारा उपस्थित कार्यकर्ताओं,नागरिकों का आभार व्यक्त किया गया। चौपाल की समाप्ति के बाद कांग्रेसजनों द्वारा साप्ताहिक सब्जी बाजार में नागरिकों , फल सब्जी व्यवसायियों के बीच छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा जारी पर्चा वितरित किया गया , जिसमें वर्ष 2014 और आज की स्थिति में महंगाई की तुलना की गई है। इस महंगाई चौपाल में कांग्रेस के जिला अध्यक्ष भावसिंह साहू , लघु वनोपज सहकारी समिति के जिला अध्यक्ष कल्याण सिंह कपिल, कृषि उपज मंडी समिति के अध्यक्ष ओम राठौर,ब्लॉक अध्यक्ष हाफ़िज़ खान शहर कांग्रेस अध्यक्ष प्रेम सोनवानी वरिष्ठ कांग्रेसी कृष्ण कुमार शर्मा ,पार्षद श्री मति ज्योति साहनी श्रीमती प्रतिभा पटेल श्रीमती विमला साहू ,एल्डरमैन जैनब बी, मुकेश रामटेके, बाबा सोनी दिलीप सिन्हा के अतिरिक्त चंद्रभूषण चौहान ग्राम लोहारी के मुलसिंग ठाकुर, डॉ चिराग अली, नेपाल यादव अवधराम यादव रमेश मेश्राम राजेश साहू आदि उपस्थित रहे।

सिंघनपुरी में मेसर्स शक्ति राईस मिल की हुई जांच

मॉ शक्ति राईस मिल को 31 अगस्त 2022 तक 500 मे. टन चांवल एफसी.आई. के गोदाम में जमा करने के निर्देश

कवर्धा । भारतीय खाद्य निगम में मिलर्स द्वारा धान उठाव के अनुपातिक चांवल जमा में कोताही बरतने के कारण 24 अगस्त 2022 को कलेक्टर जनमेजय महोबे के निर्देशानुसार खाद्य निरीक्षक बोड़ला, खाद्य निरीक्षक कवर्धा, चारभाठा धान संग्रहण केन्द्र प्रभारी व मंडी स्टॉफकी संयुक्त टीम के द्वारा मेसर्स मॉ शक्ति राईस मिल ग्राम पंचायत सिंघनपुरी तहसील कवर्धा की जांच की गई। राईस मिल द्वारा एफसी.आई. गोदाम में 372 मे. टन उसना चांवल तथा 532 मे. टन अरवा चांवल जमा नहीं करने के कारण परिसर का भौतिक सत्यापन किया गया। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर कार्यालय के सभा कक्ष में जिले के सभी राईस मिलो की समीक्षा बैठक लिया गया। जिसमें मॉ शक्ति राईस मिल को 31 अगस्त 2022 तक 500 मे. टन चांवल एफसी.आई. के गोदाम में जमा करने के निर्देश दिया गया।

भारतीय जनता पार्टी नगर मंडल ने बस्तर की छात्रा पलक नाग एवं छात्र युवराज सिंह का किया सम्मान

जगदलपुर। भारतीय जनता पार्टी नगर मंडल अध्यक्ष सुरेश गुप्ता के नेतृत्व में वर्ल्ड यूथ मिक्स मार्शल आर्ट चैंपियनशिप में बस्तर की छात्रा पलक नाग एवं यूथ वर्ल्ड म्यू थाई चैंपियनशिप मे पदक जीत कर आए युवराज सिंह का माला पहनाकर एवं मोमेंटो देकर सम्मान किया गया। पलक नाग ने आबू धाबी मे आयोजित टूर्नामेंट में रजत पदक एवं यूथ वर्ल्ड म्यू थाई चैंपियनशिप मलेशिया मे कांस्य पदक जीतकर भारत सहित बस्तर का नाम रोशन किया है।

नाबालिग बालिका को बहला फुसला कर भगा ले जाकर दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

कवर्धा । कबीरधाम जिले के थाना रेंगाखार में नाबालिग बालिका के परिजनों के द्वारा दिनांक-27.08.2021 को थाना रेंगाखार उपस्थित आकर रिपोर्ट दर्ज कराया गया था। कि मेरी नाबालिक लड़की को कोई अज्ञात व्यक्ति द्वारा बहला फुसलाकर अपहरण कर ले गया है, प्रार्थिया की रिपोर्ट पर थाना रेंगाखार में अपराध क्र. 27/21धारा 363 भा.द.वी. पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया था, तथा लगातार बालिका एवं आरोपी का पता तलाश वरिष्ठ अधिकारी गणों के दिशा निर्देश पर किया जा रहा था। अपराध समीक्षा दौरान कबीरधाम पुलिस कप्तान डॉ लाल उमेद सिंह के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मनीषा ठाकुर रावटे तथा पुलिस अनुविभागीय अधिकारी कौशल किशोर वासनिक के मार्गदर्शन में थाना रेंगाखार टीम द्वारा अज्ञात आरोपी की पता तलाश हेतु लगातार हर संभव प्रयास करने हिदायत दिया गया साथ ही साइबर सेल की भी मदद ली गई। जिस पर पुन: नए सिरे से विवेचना प्रारंभ किया गया तथा टीम अलग-अलग क्षेत्र में रवाना किया गया जिस पर अज्ञात आरोपी के संबंध में सूचना प्राप्त हुई की वह नाबालिग बालिका का अपहरण कर रायगढ़ में कही रखा हुआ है। जिस पर एक विशेष टीम का गठन करके टीम को रायगढ़ भेजा गया आरोपी पुलिस को बार बार चकमा दे रहा था और दिग्भ्रमित कर रहा था, लेकिन टीम के 02 दिन के अथक प्रयास से आरोपी को गिरफ्तार करने में सफ्लता मिली और नाबालिक को आरोपी के यहां से बरामद किया गया तथा आरोपी बसंत कुमार पिता डमरू धर उम्र 24 साल साकिन हेडघीचा चौकी ढ़ोकड़ा थाना कांसाबेल जिला जसपुर के विरुद्ध उचित वैधानिक कार्यवाही कर माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर जुडिशल रिमांड पर भेजा गया है।

आरोपी के विरुद्ध उचित वैधानिक कार्यवाही कर भेजा गया सलाखों के भीतर

झुग्गी झोपड़ी में निवासरत परिवारों को आवास आबंटन हेतु निगम में 7 सितम्बर को लाटरी

पात्र परिवारो का दावा आपत्ति 2 सितम्बर तक

राजनांदगांव । आवास हीन एवं झुग्गी झोपडी में निवासरत परिवारों को अपना स्वयं का मकान हेतु केन्द्र सरकार ने प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत मिशन 2022 तक सभी के लिए आवास का लक्ष्य रखा है। योजना के क्रियान्वयन के लिये नगर निगम राजनांदगांव द्वारा श्रमिक बाहुल्य वार्डों के लिये रेवाडीह, लखोली व मोहारा में आवास का निर्माण किया गया है। जहॉ तालाब, रोड आदि के किनारे अस्थाई रूप से झुग्गी झोपडी में निवास करने वाले परिवारों को व्यवस्थापन दिया जाना है।

उक्त आशय की जानकारी देते हुये नगर निगम आयुक्त डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी ने बताया कि सरकार की आवास योजनांतर्गत ए.एच.पी. मोर आवास मोर चिन्हारी के तहत निगम के श्रमिक बाहुल्य वार्डो में आवास का निर्माण किया गया है। जिसे पात्र हितग्राहियों को आबंटित किया जाना है। आबंटन की कडी में मोती तालाब के किनारे, रेल्वे ओव्हर ब्रिज के नीचे,डबरी पारा, मोहारा, शंकरपुर तालाब आदि क्षेत्रों में अस्थाई रूप से निवासरत परिवारों को रेवाडीह, मोहारा व लखोली में आवास का आबंटन किया गया और अब बजरंग नगर मोहारा के 2, डबरीपारा ठाकुरदैया के 33 एवं रेल्वे ओव्हर ब्रिज के नीचे 4, मोती तालाब के 11, इंदिरा सरोवर के 6, व शंकरपुर तालाब के 2 में निवासरत 58 परिवारों को मोहारा (145 यूनिट), रेवाडीह (150 यूनिट), लखोली (304 यूनिट) में ए.एच.पी. के तहत निर्मित आवासों में 58 परिवारों को विस्थापित किया जाना है। इस हेतु दिनांक 7 सितम्बर 2022 दिन बुधवार को कोविड-19 के नियमों को दृष्टिगत रखते हुये एवं सामाजिक दूरी का पालन करते हुये प्रात: 11 बजे से लखोली के 304 यूनिट, रेवाडीह के 150 यूनिट, मोहारा के 145 यूनिट में लॉटरी निकालकर आवास आबंटित की प्रक्रिया निगम सभागृह में किया जाना है। लॉटरी की प्रक्रिया में सम्मलित किये गये परिवारों की सूची एम.सी.आर. जे.एन. पोर्टल एंव निगम के सूचना पटल पर उपलब्ध है।

आयुक्त डॉ. चतुर्वेदी ने बताया कि चयन किये गये परिवारों में किसी प्रकार की कोई आपत्ति है तो वे परिवार दिनांक 2 सितम्बर 2022 दिन शुक्रवार को शाम 5 बजे तक नगर पालिक निगम के कक्ष क्रं. 19 में प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत विस्थापित किये जाने के संबंध में साक्ष्य के साथ आपत्ति दर्ज करावे, ताकि उसका निराकरण किया जा सके। निर्धारित समयावधि उपरांत दावा एवं आपत्ति मान्य नहीं होगी। दावा आपत्ति उपरांत 7 सितम्बर 2022 दिन बुधवार को निर्धारित समय में कोविड-19 के नियमों को ध्यान में रखकर सामाजिक दूरी का पालन करते हुये लॉटरी निकाली जावेगी।

संबंधित परिवार आधार कार्ड पति पत्नी दोंनो का, मतदाता परिचय पत्र पति पत्नी दोंनों का बैक पास बुक, राशन कार्ड, रसीद की छायाप्रति,टैक्स की छायाप्रति, अस्थाई पट्टे की छाया प्रति एवं दो रंगीन फाटो लेकर उपस्थित होगें। उन्होंने मोहारा, डबरीपारा, रेल्वे ओव्हर ब्रिज के नीचे, मोती तालाब व इंदिरा सरोवर, बजरंगनगर मोहारा, शंकरपुर के झुग्गी झोपडी में निवासरत परिवारों को निर्धारित तिथि में उपस्थित होकर आवास योजना का लाभ लेने की अपील की है।

राजस्व मंत्री अग्रवाल की अध्यक्षता में अंतर्विभागीय समिति की हुई बैठक

रायपुर। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने शुक्रवार को अंतर्विभागीय समिति की बैठक ली। उन्होंने भूमि आबंटन सहित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। श्री अग्रवाल ने भूमि आबंटन के लिए प्राप्त आवेदनों की जानकारी ली।

भूमि आबंटन के लिए प्राप्त आवेदनों पर लिया निर्णय

बैठक में रायपुर विकास प्राधिकरण को इंद्रप्रस्थ फेस-2 रायपुर आवासीय योजना अंतर्गत विभिन्न प्रकार के भवनों के निर्माण के लिए भूमि आबंटन का निर्णय लिया गया। साथ ही दक्षिण पूर्वी मध्य रेल्वे राजनांदगांव के अलावा 4 अन्य प्रकरणों पर भी चर्चा कर संबंधित प्रकरणों का निर्धारित प्रब्याजी तथा भू-भाटक तथा निर्धारित नियमों के तहत भूमि आबंटन की प्रक्रिया पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। बैठक में राजस्व विभाग के सचिव श्री एन. एन. एक्का, राजस्व विभाग के अवर सचिव श्री उमेश कुमार पटेल, आवास एवं पर्यावरण के अवर सचिव श्री सी तिर्की, वित्त विभाग के अवर सचिव श्री निखिल अग्रवाल और अंतर्विभागीय समिति के सदस्य उपस्थित थे।

अंतर्राज्यीय गिरोह के 3 आरोपी गिरफ्तार

कोरिया/ मनेन्द्रगढ़

जिले सहित संभाग में इको कार का साइलेंसर काटकर चोरी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह के पांच सदस्यों की गिरफ्तारी के बाद अब चोरी का साइलेंसर खरीदने वाले तीन और आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों के पास से लगभग 1.50 लाख का माल भी जप्त किया गया है। चोरी के इस प्रकरण में अब तक 8 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। जिले में कुछ माह से मारूती इको कार के साइलेंसर चोरी की घटना लगातार बढ़ गई थी जिसे पकड़ने के लिए पुलिस अधीक्षक त्रिलोक बंसल द्वारा लगातार कार्ययोजना तैयार कर सभी थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया था। इसी तारतम्य में थाना मनेन्द्रगढ़ में एक ही रात में चार इको कार के साइलेंसर चोरी होने की सूचना मिली। पुलिस अधीक्षक की कार्ययोजना के अनुसार तुरन्त ही मनेन्द्रगढ़ पुलिस टीम द्वारा 5 आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड में भेज दिया गया था। पूछताछ के दौरान आरोपी प्रकाश मसीह ने नवाबउद्दीन को अम्बिकापुर से रायगढ़ जाने वाली बस में चोरी किये गये साइलेंसर का पार्सल बनाकर रायगढ़ भेजना बताया जिस पर तत्काल पुलिस अधीक्षक द्वारा एक संयुक्त टीम गठित कर उपरोक्त व्यक्ति को टारगेट किया गया चूंकि यह व्यक्ति स्वयं सामने नहीं आता था इसलिये तकनीकी विश्लेषण के आधार पर टीम द्वारा रायगढ़ में दबिश दी गई और 3 व्यक्तियों को गिरफ्त में लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ दौरान नवाबउद्दीन ने बताया कि वह लगभग एक साल से अपने साथी शाहरूख और इंतजार के साथ रायगढ़ में विभिन्न स्थानो पर रहकर कोरियर के ही माध्यम से इको गाडी का साइलेंसर खरीदते थे और साईलेंसर के डस्ट को जो काफी मंहगा बिकता है उसे मेरठ में एक व्यक्ति को 15000 / रूपये किलो की दर से बेचते थे। अपराधियो द्वारा अपराध स्वीकार कर लेने पर तीनो आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेज दिया गया है। बचे हुये आरोपियों को भी शीघ्र ही गिरफ्तार कर लिया जायेगा। गिरफ्तार किए गए आरोपी (1) नवाबउद्दीन मलिक पिता रहीमुद्दीन मलिक उम्र 32 वर्ष निवासी जाहिदपुर थाना सरसोदा जिला मेरठ (उ प्र) हाल मुकाम ढीमरापुर चौक थाना सिटी कोतवाली रायगढ़ जिला रायगढ़ (छग) (2) शाहरूख पिता सलीम उम्र 22 वर्ष निवासी जाहिदपुर थाना सरसोदा जिला मेरठ (उप्र) हाल मुकाम ढीमरापुर चौक थाना सिटी कोतवाली रायगढ़ जिला रायगढ़ (3) इंतजार मलिक पिता अली हसन उम्र 34 वर्ष निवासी जाकिर कालोनी थाना लिसाड़ी गेट जिला मेरठ (उप्र) हाल मुकाम ढीमरापुर चौक थाना सिटी कोतवाली रायगढ़ जिला रायगढ़ (छग)। सम्पूर्ण कार्यवाही में वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी चिरमिरी कमलाकांत शुक्ला, थाना प्रभारी मनेन्द्रगढ़ सचिन सिंह, प्रधान आरक्षक इश्तियाक खान, आरक्षक जितेन्द्र ठाकुर, शम्भू यादव, प्रमोद यादव की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

मारुति इको कार से चुराई साइलेंसर की करते थे खरीदी पुलिस अधीक्षक त्रिलोक बंसल के नेतृत्व में कोरिया पुलिस की कार्यवाही।

भाजपा का प्रदर्शन फेल, बहुत कम कार्यकर्ता जुटे, जनता की भागीदारी शून्य रही - सैय्यद अफजल

राजनांदगांव। जिला कांग्रेस कमेटी व्यापार प्रकोष्ठ के अध्यक्ष सैय्यद अफजल ने कहा कि प्रदेश के युवाओं ने केंद्र द्वारा हर साल दो करोड़ युवाओं को रोजगार, नौकरी देने का वादा पूरा नहीं करने पर अविश्वास जताते हुए प्रदर्शन से दूरी बना लिया।

केंद्र सरकार सीएमआईई द्वारा आंकड़े जारी कर बता रही है कि देश में सबसे कम बेरोजगारी दर छत्तीसगढ़ में है और यहां भाजपाई बेरोजगारी पर घेराव रहे हैं। यही कारण से भाजपा भीड़ जुटाने में नाकाम रही, कहा था एक लाख, सभास्थल तक पहुंचे सिर्फ चार हजार। भाजपा के राष्ट्रीय नेतृत्व की देख-रेख में भाजपा के प्रदेश के सारे नेता मिलकर भी पौने चार साल बाद एक सफल विरोध प्रदर्शन नहीं आयोजित कर पाये। यह छत्तीसगढ़ में भाजपा की बदहाल स्थिति का सबसे बड़ा प्रमाण है। भाजपा के एक लाख लोगों के आने के दावों के कारण प्रशासन ने भी उसी प्रकार तैयारी किया था, लेकिन भाजपा का विरोध प्रदर्शन इतना कमजोर साबित हुआ कि प्रशासन की सारी तैयारी व्यर्थ गयी।

श्री अफजल ने आगे कहा कि भाजपा का विरोध सिर्फ दिखावा है, ये खुद बताये 15 साल में कितना रोजगार दिया है। भाजपाई एक लाख के दावे के विपरीत 4 हजार लोग भी नहीं जुटा पाये प्रदर्शन में राष्ट्रीय प्रभारी की निगरानी में भी भाजपा का रोजगार को लेकर किया गया प्रदर्शन सुपर फ्लॉप साबित हुआ। बमुश्किल से 4 हजार लोग इस प्रदर्शन में जुट पाये। भाजपा ने इस प्रदर्शन को मेगा शो बताया था, दावा किया था एक लाख लोग शामिल होंगे। भाजपा राष्ट्रीय मंत्री अजय जामवाल, प्रदेश प्रभारी डी पुरंदेश्वरी, सह प्रभारी नितिन नवीन इस प्रदर्शन की तैयारी कर रहे थे। भाजयुमो के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या खुद प्रदर्शन में शामिल होने आये, इसके बावजूद भाजयुमो की रैली में 4 हजार से भी कम लोगों का शामिल होना इस बात का प्रमाण है कि जनता ने भाजपा के मुद्दे को खारिज कर दिया। भाजपा प्रदेश के युवाओं को अपने झूठ से बरगलाने में नाकाम साबित हुई।

बच्चों को दे बेहतर खानपान की सीख, मौसमी बीमारियों से कम होंगे बीमार

अधिक एंटीबायोटिक दवाओं का सेवन ठीक नहीं- डॉ. एमएम श्रीवास्तव

जोहार छत्तीसगढ़-रायगढ़।

शहर में पिछले एक महीने के दौरान मौसम में आए बदलाव के साथ बच्चों में वायरल फीवर के केस बढ़े हैं। आमतौर पर तीन से सात दिनों में ठीक होने वाले बच्चों को फिलहाल 10-15 दिन लग रहे हैं। किसी किसी को बुखार ठीक होने के बाद सर्दी और खांसी सही होने में पंद्रह दिन से ज्यादा लग रहे हैं।

डाक्टरों के अनुसार ऐसी स्थिति से बचने के लिए बच्चों में बेहतर और स्वस्थ खानपान की आदत डालने चाहिए। बेहतर खान पान से बच्चे मौसमी बीमारियों से कम बीमार पड़ेंगे। इस सम्बन्ध में 5 दशक से बच्चों को चिकित्सीय परामर्श दे रहे वरिष्ठ शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. मनमोहन श्रीवास्तव एमडीए शिशु रोग बताते हैं कोई भी वायरस हर साल बदलाव करता है। इस समय बच्चों में जो वायरल इंफेक्शन देखा जा रहा है, वह पिछले वर्षों की तुलना में थोड़ा अलग है। दरअसल जितने भी बीमार बच्चों का हमने इलाज किया है उनमें सर्दी, खांसी ठीक होने के 7 दिन से अधिक समय लगा। कई मामलों में संक्रमण सांस नलियों को नुकसान पहुंचा रहा है, हालांकि यह घबराने वाली बात नहीं है। इस साल बच्चों को ज्यादा बुखार और सर्दी हो रही है। दो साल तक बच्चे बेहतर में माहौल में थे। खानपान घर का था तो उनकी इम्युनिटी बेहतर थी। कोरोना संक्रमण के कम होने से बच्चों के खानपान में बदलाव आया है और बाहरी खानपान का चलन तेजी बढ़ गया है। इस कारण बच्चों में बुखार, सर्दी-खांसी और टायफ ाइड के लक्षण आम है। अभी का बुखार लंबा खींच रहा है। ऐसे पालकों को सतर्क रहने की जरूरत है और बच्चों को बेहतर खानपान की सीख देनी चाहिए इससे मौसमी बीमारियों से बीमार पड़ने की सम्भावना कम रहती है।

सेल्फ मेडिकेशन से बचें पालक

राज्य के वरिष्ठ शिशु रोग चिकित्सकों में शुमार डॉ. श्रीवास्तव ने आगे बतायारू आजकल पालक बहुत जल्द परेशान हो जाते हैं। वो सामान्य सर्दी-बुखार में भी डॉक्टर की दौड़ लगाते हैं। अभी एक बच्चे लेने का चलन है और पालक कामकाजी भी हो गए हैं जिसके कारण वे बच्चों को लेकर अधिक परेशान रहते हैं। घर में बड़े-बुजुर्गों भी नहीं होने के कारण उन्हें कोई सलाह नहीं दे पाता कि कई बीमारियां को घरेलू नुस्के और परहेज से ठीक हो जाती हैं। इससे विकट स्थिति तो पालकों द्वारा ऑनलाइन सर्च कर सेल्फ मेडिकेशन खुद में डाक्टर बन जाना और दवा दुकान से दवा लेना कर लेना है जो सही नही है। बच्चों के मामले में सजग रहना जरूरी है लेकिन अत्यधिक परेशान होना और इंटरनेट का सहारा लेना गलत। नेट में आपको सामान्य सी चीज बहुत बड़ी लगेगी और अनावश्यक डर लगेगा कई बार उसी को सच मानकर आपसे बहुत बड़ी गलती हो सकती है। टेस्ट रिपोर्ट को डॉक्टर ही बेहतर तरीके से समझा सकेगा। डॉक्टर रोग की पहचान करता है उसकी जांच करता है फिर उसके अनुसार इलाज करता है।

बच्चों के स्वास्थ्य के साथ न करें खिलवाड़

डॉ. मनमोहन श्रीवास्तव ने बताया वायरल फीवर को ठीक होने में 5 दिन तक लगते हैं। जिसमें एंटीबायोटिक दवाओं की जरूरत नहीं होती है। लेकिन पालकों को जल्द से जल्द बच्चे के स्वास्थ्य में सुधार चाहिए क्योंकि आजकल ज्यादातर पालक कामकाजी है और उन्हें छुट्टी लेने में समस्या होती है तो उनके दबाव में एंटीबायोटिक देने का चलन बढ़ गया है। इसका पांच दिन का कोर्स होता है जिसे पूरा करना होता है पर ज्यादातर लोग कोर्स पूरा नहीं कर पाते। एंटीबायोटिक बच्चे के यूरिन और ब्लड टेस्ट को प्रभावित करते हैं। बच्चों में एंटीबोयटिक दवाओं के दुरूपयोग को रोकें। वैसे भी किसी भी दवा को असर करने में 48 घंटे लगते हैं। लोग अपने चिकित्सक पर विश्वास रखें और हड़बड़ाकर अपने बच्चों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ न करें।

कैसे रखें बच्चों को सुरक्षित

छोटे बच्चो को ज्यादा एक्सोज होने से बचाएं, तापमान के हिसाब से बच्चों का ख्याल रखें। घर में जिन लोगों को वायरल फीवर है उनसे बच्चों को दूर रखें। सभी मास्क का उपयगो करें। बाहर से आने वाले लोग सावधानी बरतेंए बच्चे घर पर ही हैं आप उन्हें रोग दे सकते हैं।

सौतेले बाप ने ही कर दी मासूम बेटी की हत्या

पहले नदी डुबाकर मारा फिर बहाव में फेंक दिया, आरोपी गिरफ्तार

जोहार छत्तीसगढ़-बिलासपुर।

राधिका लहरे पति मन्नू लहरे उर्फ मन्नू बंजारे 25 अगस्त 2022 को थाना तोरवा में उपस्थित होकर स्वङ्क्र दर्ज कराई कि उसकी 5 वर्षीय पुत्री दोपहर से कहीं गायब है। सूचना पर थाना तोरवा में अपराध क्रमांक 389 / 2022 पंजीबद्ध कर मामले को विवेचना में लिया गया। मामला 5 वर्षीय नाबालिग बालिका के गुमने का था इस वजह से सूचना तत्काल उपमहानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्रीमती पारुल माथुर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेंद्र जायसवाल, नगर पुलिस अधीक्षक कोतवाली श्रीमती स्नेहील साहू को दी गई। इसके बाद आवश्यक दिशा निर्देश प्राप्त कर बच्ची को ढूंढने का प्रयास किया गया। इस दौरान पूछताछ तथा आसपास के लोगों से जानकारी मिली कि प्रार्थिया मन्नू बंजारे से दूसरी शादी की है और उसके दो बच्चे हैं। एक 10 वर्षीय बालक तथा गुमी हुई 5 वर्षीय बालिका। बालिका के साथ मन्नू बंजारे के संबंध बहुत अच्छे नहीं थे तथा आए दिन बालिका के साथ मारपीट किया करता था। घटना के दिन भी दोपहर 12ः00 से 1ः00 के बीच बालिका को उसके सौतेले पिता के साथ अरपा नदी के तरफ जाते हुए देखा गया था। मामले में तोरवा पुलिस जांच कर ही रही थी इसी दौरान जानकारी मिली की कर्रा एनीकट थाना मस्तूरी में एक नाबालिग बालिका की शव मिली है जो नदी के पानी में बहकर आई है। सूचना पर बालिका की माता को खबर दिया गया तथा मस्तूरी की पुलिस टीम जहां जांच कर रही थी वहां पर तोरवा की पुलिस टीम भी बालिका के माता के साथ पहुंची। शव देखकर बालिका की माता अपने बेटी के रूप में पहचान किया। मामले में मस्तूरी थाना क्षेत्र में मर्ग कायम कर शव का पंचनामा तथा शव परीक्षण कराया गया। तोरवा पुलिस के द्वारा मामले की अग्रिम जांच कार्रवाई करते हुए बालिका के पिता के संदिग्ध व्यवहार के आधार पर उससे पूछताछ किया गया। प्रारंभ में वह पुलिस को गुमराह करता रहा परंतु कड़ाई से पूछताछ की गई तो वह बालिका की हत्या करना स्वीकार कर लिया। उसने बताया कि बालिका उसकी सौतेली पुत्री थी और मोहल्ले में खेलने जाना, टीवी देखना तथा खर्चे के लिए पैसे की मांग करना इस बात पर वह बालिका से नाराज रहता था। पहले भी एक दो बार वह उसकी पिटाई किया था। कल दोपहर में बच्ची अपने पड़ोसी के घर टीवी देख रही थी तब आरोपी मन्नू लहरे उर्फ मन्नू बंजारे घर आया तो देखा की बालिका घर पर नहीं है। तब वह पड़ोसी के घर से उसे लेकर आया कुछ देर बाद बालिका बोली मुझे नहाने जाना है तब संदेही भी उसके साथ नदी में नहाने गया। इस दौरान वह थोड़े गहरे पानी में ले जाकर बालिका को कुछ देर तक नदी में डूबा कर रखा और सांस रुक जाने पर थोड़ी दूर गहरी पानी में फेंक दिया। घटना की जानकारी ना हो यह सोचकर वह फिर से घर में आ कर सो गया।

रामदास द्रौपदी फाउन्डेशन ने नगर के कई स्थानों सहित विजयपुर और गोपालपुर में किया पौध वितरण

जोहार छत्तीसगढ़-रायगढ़।

रामदास द्रौपदी फाउन्डेशन के पर्यावरण संरक्षण रथ द्वारा नगर के हेमू कलानी चौक, अम्बेदकर चौक, चक्रधरनगर चौक सहित विजयपुर व ग्राम गोपालपुर में पौध वितरण किया गया। उक्त रथ से नगर के हेमू कलानी चौक, अम्बेदकर चौक और चक्रधरनगर चौक के आस-पास के मुहल्लों सहित कई ग्राम के लोगों ने अपने आवश्यकता के अनुरूप पौधे लेकर रोपित किया। रामदास द्रौपदी फउंडेशन के पर्यावरण संरक्षण रथ के संचालन का मूल मकसद भी उन लोगों तक पौधा पहुंचाना हैए जिनको पौधा रोपित करना तो है। किन्तु वे समयाभाव के कारण या कई अन्य कारणों से पौधा लेने नर्सरी नहीं जा पा रहे हैं। वैसे लोगों तक पर्यावरण संरक्षण रथ पहुंच कर पौधा उपलब्ध कराने का कार्य कर रहा है और इस कारण से गत दिनों पौध वितरण के दौरान देखा गया कि लोग स्व रूचि से आकर पर्यावरण संरक्षण रथ से पौधा लेकर अपने बाड़ी, घर आदि में रोपित कर रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण रथ के विषय में गोपालपुर निवासी जयंत प्रधान कहते हैं कि ऐसी पहल प्रशंसनीय है। क्योंकि लोग अपने अन्य दैनिक आवश्यकताओं के कारण व्यस्त होते हैं। जिससे वे अपनी ऐसी आवश्यकताओं को कभी-कभी पीछे छोड़ देते हैं। पौधरोपण को मैं आवश्यकता इसलिए कह रहा हूं कि पौधा लगाना और उसे संरक्षित करना तो ग्रामीण क्षेत्र की अपनी जरूरत होती है। क्योंकि ग्रामीण क्षेत्र का पूरा जीवन पौधों पर ही एक चक्रीय पद्धति से चलता है और लोग अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति फ ल-फू ल, सब्जी, अनाज आदि के रूप में पौधों से ही करते हैं। इसे इस तरह भी कहा जाए कि ग्रामीण क्षेत्रों से उत्पादित खाद्य पदार्थ पर ही नगरीय क्षेत्र के लोगों का भी जीवन आश्रित होता है। तो यह भी सही है। यही कारण है कि ग्रामीण क्षेत्र में पौधरोपण का महत्व अधिक होता है और यही कारण है कि यह पर्यावरण संरक्षण रथ चलाया जाना प्रशंसनीय है।

एक नजर

लैलूंगा में कर्मचारियों का हड़ताल पांचवें दिन भी जारी रहा

जोहार छत्तीसगढ़-लैलूंगा।

अधिकारी-कर्मचारियों का हड़ताल पांचवे दिन भी जारी रहा। जिसके चलते तहसील स्तर के सभी कार्यालयों में कामकाज प्रभावित रहा। कृषि, उद्यान , पशुधन, राजस्व, सचिव व ग्रामीण विकास विभाग के कर्मचारियों के साथ सरपंच संघ के अनिश्चित कालीन हड़ताल पर चले जाने से सरकार की महत्वकांक्षी योजना नरवा गरवा घुरुवा बारी दम तोड़ रही है। वहीं स्कूल बंद होने से बच्चों की पढाई प्रभावित हो रही है। ज्ञात रहे कि पिछले पांच दिनों से प्रदेश के लगभग 100 से अधिक संगठनो के कर्मचारी अपनी दो सूत्रीय मांग को लेकर हड़ताल पर है। वहीं सरपंच संघ भी अपनी जायज माँगो को लेकर अनिश्चित कालीन हड़ताल पर चले गए हैं।प्रदेश की जनता कर्मचारियों के हड़ताल पर चले जाने से सरकारी स्कूलों मे पढ़ रहे गरीब बच्चों की पढाई प्रभावित हो रही है। दूसरी ओर सभी कार्यालय बंद होने से क्षेत्र की आम जनता और किसानो की परेशानी बढ़ गई है। फेडरेशन के मंच से सभी कर्मचारियों ने एक स्वर मे एक साथ शंखनाद करते हुए संकल्प लिया कि जब तक दो सूत्रीय माँग पूरी नही होगी कर्मचारी हड़ताल पर बैठे रहेंगे। वही दूसरी ओर सरकार की ओर से हड़ताल समाप्ति के प्रयास नही होने से कर्मचारियों का आक्रोश बढ़ता जा रहा है। देखने वाली बात होगी इसका समाधान कब तक निकलेगा।

विधायक देवेंद्र के तीन बड़े प्रोजेक्ट का सीएम करेंगे लोकार्पण

सर्व मांगलिक भवन,मदर्स मार्केट, सी मार्ट का होगा लोकार्पण

भिलाई । भिलाईनगर विधायक देवेंद्र यादव के तीन बड़े जनहितकारी प्रोजेक्ट का प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री भूपेश बघेल लोकार्पण करेंगे। 27 अगस्त शनिवार की शाम 6 बजे लोकार्पण कार्यक्रम आयोजन किया जाएगा। जिसके मुख्यअतिथि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगरीय निकाय मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया करेंगे। विशिष्ट अतिथि मंत्री परिवहन, आवास एवं पर्यावरण मोहम्मद अकबर होंगे।

लोकार्पण कार्यक्रम में पावर हाउस स्थित प्रदेश का सबसे बड़ा सी मार्ट, मदर्स मार्केट और करीब 3 करोड़ की लागत से बने गौरवपथ बैकुंठधाम में बने डॉ. भीमराव अम्बेडरकर सर्वसमाज मांगलिक भवन का लोकार्पण किया जाएगा। इसके अलावा सेफ ड्रिंकिंग वाटर क्लीनिक का भी लोकार्पण किया जाएगा। यह सभी प्रोजेक्ट भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव ने जनता के हित और विकास केलिए बनाएं थे। जब वे महापौर थे तब उन्होंने भिलाईवासियों के लिए 2 एकड़ में 3 करोड़ की लागत से मांगलिक भवन बनाने की योजना बनाई थी। जो अब बन कर तैयार हो गया है। जिसे शनिवार को सीएम भूपेश बघेल शहरवासियों को समर्पित करेंगे। विधायक देवेंद्र यादव की पहल से सामान्य व गरीब वर्ग के लोगों को अपने बेटा- बेटी की शादी, सगाई व अन्य कार्यक्रम के लिए होटल व बड़े महंगे प्राइवेट शादी हॉल किराए में लेने की जरूरत नहीं पड़ेगी। भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव ने आम नागरिकों के लिए एक भव्य सर्व सुविधा युक्त मांगलिक भवन का निर्माण कराया है। इससे लोगों का काफी लाभ होगा। यहां मैरिज हाल, ग्रीन रूम के साथ ही यहां एक बड़ा किचन भी बनाया गया है। साथ ही इस भवन में मेहमानों के ठहने के लिए 25 कमरे होंगे। जिसमें से 20 कमरे लेटबॉथ अटेच है। यहां के कमरों में एसी लगा हुआ है। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से विधायक देवेंद्र यादव, विधायक वैशालीनगर विद्यारतन भसीन, मेयर नीरज पाल, क्रेडा सदस्य विजय साहू, सभापति गिरवरबंटी साहू, जिला कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर, लोककर्म प्रभारी एकांश बंछोर, एमआईसी सदस्य मीरा बंटी साहू, जोन अध्यक्ष जलंधर सिंह, भूपेंद्र यादव, पार्षद पीयूष मिश्रा, पार्षद एन शैलजा, आयुक्त लोकेश चंद्राकर आदि शामिल होंगे।

35000 महिलाओं को स्वरोजगार- विधायक देवेंद्र यादव ने शहर की माताओं और बहनों को आत्मनिर्भर बनाने, उन्हें स्वरोजगार देने के लिए एक बड़ी योजना बनाई है। इसी के तहत पावर हाऊस में मदर्स मार्केट बनाया गया है। जो बन कर तैयार हो गया है,जिसका लोकार्पण सीएम भूपेश बघेल के हाथों किया जाएगा।

श्रीमद भागवत कथा की तैयारी अंतिम चरण में

व्यास पीठ पर पं. अतुल कृष्ण भारद्वाज महाराज होंगे विराजमान

जोहार छत्तीसगढ़-खरसिया।

कहा गया है कि भागवत कथा बड़े ही पुण्य कर्म करने वालों को प्राप्त होती है भागवत कथा का आयोजन करने तथा सुनने के अनेक लाभ हैं इसे आयोजित कराने तथा सुनने वाले व्यक्तियों परिवारों के पितरों को शांति और मुक्ति मिलती है इसे सुनने के क्रम में आध्यात्मिक ज्ञान की प्राप्ति करते हुए आप सांसारिक दुखों से निकल पाते हैं एवं सभी मनोकामनाओं की पूर्ति होती है।

धर्म नगरी खरसिया की पावन धरा पर पितृमोक्षार्थ सात दिवसीय संगीतमय श्रीमद भागवत कथा ज्ञान यज्ञ सप्ताह का आयोजन गर्ग परिवार नवापारा वाले के द्वारा दिनांक 28 अगस्त से 3 सितम्बर तक स्थानीय कन्या विवाह भवन में करवाया जा रहा है।कथा स्थल पर भव्य वॉटरप्रूफ पांडाल का निर्माण कराया गया है जिसमें सुसज्जित मंच का कार्य सुचारू रूप से चल रहा है। कथा श्रवण हेतु पूरे नगर सहित अंचल के लोगो को निमंत्रण पत्र देकर कथा में शामिल होकर पुण्य लाभ प्राप्त करने का आग्रह किया गया है व्यास पीठ पर विराजमान बृन्दावन से पधार रहे मानस मर्मज्ञ परम् पूज्य आचार्य अतुल कृष्ण भारद्वाज, महाराज के श्रीमुख से कथा का रसास्वादन कराया जाएगा। उक्त कथा का आयोजन गर्ग परिवार खरसिया,नवापारा, बोजिया, बांकीमोंगरा, कोटमी चंद्रपुर, बरमकेला,बिलासपुर वाले द्वारा स्थानीय कन्या विवाह भवन में दोपहर 3 बजे से शाम 7 बजे तक करवाया जावेगा। जिसका लाइव प्रसारण यू ट्यूब के माध्यम भी किया जावेगा।

सतनामी समाज के तत्वाधान में छात्र को न्याय दिलाने रैली निकाला

जोहार छत्तीसगढ़-सारंगढ़।

सारंगढ़ सतनामी विकास परिषद के द्वारा आज छात्र इंद्र कुमार मेघवाल को न्याय और उसके हत्यारे शिक्षक को फांसी देने की मांग किया। जिसमे पुष्पवाटिका में सैकड़ों सतनामी समाज के लोगों ने नगर में विशाल रैली निकालकर तहसील कार्यालय पहुंचकर सारंगढ़ थाना प्रभारी को ज्ञापन सौपा गया। आक्रोशित हुए लोगों ने राजस्थान सरकार के खिलाफ कड़ी निंदा करते हुए जमकर राजस्थान सरकार के मुर्दाबाद के नारे लगे ज्ञापन में उल्लेखनीय है जातिवाद के कारण स्कूल में घड़े से पानी पीने पर राजस्थान के जालोर जिले के छात्र इंद्र मेघवाल को उसके शिक्षक ने इतना मारा की इलाज के दौरान छात्र की मृत्यु हो गया। बताया जा रहा है राजस्थान इस समय सबसे ज्यादा दलितों पर अन्याय अत्याचार की घटना हो रही है। राजस्थान की कांग्रेस सरकार जातिवाद पर कोई नियंत्रण नहीं कर पा रही है अनुसूचित जाति वर्ग के लोगो ने छात्र इंद्र मेघवाल के हत्यारे शिक्षक को जल्द फांसी की सजा दिया जावे। जिससे जातिवाद घटना को दोहराया न जाये।

सरपंच संघ भी सत्याग्रह की राह पर, बेमियादी हड़ताल की घोषणा, सौंपा ज्ञापन

जोहार छत्तीसगढ़-धरमजयगढ़।

आगामी वर्ष में होने वाले विधानसभा चुनाव के मद्देनजर राज्य में हड़तालों का सिलसिला जारी है। अधिकारी कर्मचारी फेडरेशन व वन विभाग के दैनिक वेतन भोगी कर्मियों के बाद अब आंदोलनकारियों की फेहरिस्त में शामिल होते हुए एक और संघ लामबंद हो गया है। प्रदेश भर में अपनी 13 सुत्रीय मांगों को लेकर सरपंच संघ ने भी अपनी आवाज बुलंद कर बेमियादी हड़ताल शुरू कर दी है। इस कड़ी में धरमजयगढ़ जनपद पंचायत के सरपंच संघ ने हड़ताल की घोषणा कर इस आशय की सूचना अनुविभागीय अधिकारी राजस्व धरमजयगढ़ को दी है। इस दौरान सरपंच संघ के अध्यक्ष कनसराम राठिया ने कहा कि 13 सुत्रीय मांगों को लेकर संघ ने बेमियादी हड़ताल पर जाने का निर्णय लिया है। इन मांगों में सरपंच व पंचों के वेतन वृद्धि व पेंशन दिये जाने की मांग सहित अन्य मांगे शामिल हैं। अध्यक्ष ने कहा कि अपनी मांगों के संबंध में कई बार प्रदेश के मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया है लेकिन अब तक किसी भी प्रकार की पहल नहीं की गई। जिससे नाराज होकर वे अनिश्चित कालीन हड़ताल पर जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि 27 अगस्त से समस्त सरपंच व पंच धरमजयगढ़ जनपद कार्यालय परिसर में धरना प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने सिर्फ विधायक और सांसदों का वेतन बढ़ाने व पेंशन दिए जाने का आरोप लगाते हुए कहा कि उनकी जायज मांगों पर सरकार को जल्द विचार करना चाहिए। इधर प्रदेश भर में हड़तालों का दौर शुरू होने से प्रशासनिक व्यवस्था चरमराई हुई है और अब पंचायत प्रधानों का यह कदम सरकार की चिंता और बढ़ा सकती है। देखना होगा कि इस परिस्थिति में सरकार कब तक और क्या निर्णय लेती है।

एक नजर

रायगढ़ में सेक्स रैकेट का भांडाफोड

जोहार छत्तीसगढ़-रायगढ़।

छत्तीसगढ़ के रायगढ़ के लोटस स्पाल सेंटर में पुलिस सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने दबिश में 4 महिलाओं सहित 3 पुरूष को गिरफ्तार कर लिया है। आपको बता दें कि पुलिस ने जांच में यह पाया है कि 3 लड़कियां पश्चिम बंगाल के दार्जलिंग की और ओडिशा के संबलपुर की रहने वाली हैं। वहीं चारों युवक रायगढ़ के ही रहने वाले हैं। बता दें कि पुलिस को इस स्पा सेंटर में सेक्स रैकेट की काफी समय से शिकायत मिल रही थी। जिसके बाद पुलिस ने आज दबिश दी तो 4 युवतियां और 3 युवक आपत्तिजनक हालत में पाए गए। पुलिस सभी को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ प्रतिबंधात्मक धारा 109 के तहत कार्रवाई की है। बताया जा रहा है कि स्पा की आड़ में सेक्स रैकेट ओडिशा के संबलपुर की रहने वाली राखी दास नाम की एक महिला चलाती है। जो कि छापा पड़ने की खबर के बाद से फरार है

खेत में खाद का छिड़काव करते वक्त युवक को सांप ने काटा,अस्पताल में भर्ती

जोहार छत्तीसगढ़-धरमजयगढ़।

धरमजयगढ क्षेत्र में इन दिनों बारिश व उमस के बीच सर्पदंश के मामले लगातार सामने आ रहे हैं बता दें।। हालही में स्नैक बाईट से कइयो इंसानी जाने जा चुकी है। इसी क्रम में सर्पदंश का एक और मामला सामने आया है।

धरमजयगढ़ क्षेत्र के भंडारीमूड़ा ग्राम निवासी सुख सागर राठिया अपने खेत मे धान की फ सल पर खाद का छिड़काव कर रहा था उसी दरम्यान पैर को किसी सांप के काटे जाने का अहसास हुआ पैर में सांप के दांत के निशान साफ दिखने लगा लेकिन वहां सांप नजर नहीं आया लिहाजा मामले की गंभीरता को समझते हुए सुख सागर परिजनों को सांप काटने की जानकारी देकर अविलंब उपचार के लिए धरमजयगढ़ हॉस्पिटल पहुंच गया जहां डॉक्टरों द्वारा इलाज जारी कर दिया गया। मौजूदा समय मे बताया जा रहा है सुख सागर की स्वास्थ्य की स्थिति बेहतर है हालत सामान्य है ।

आमगांव के ग्रामीण हाथी से फसलों को बचाने निकले सड़कों पर

जोहार छत्तीसगढ़-धरमजयगढ

धरमजयगढ वन मंडल क्षेत्र पूरी तरह हाथीमय हो गया है कमोबेश चारों दिशाओं में हाथी विचरण कर रहे हैं आए दिन मकान ढ़हाने की खबर तो कहीं फ सल नुकसानी की सूचना लगातार आ रही है ऐसे में वन कर्मचारी अधिकारियों के हड़ताल में जाने से हाथी प्रभावित क्षेत्र के ग्रामीणों की और परेशानी बढ़ गई है। हाथी से फ सल नुकसानी व जान की चिंता सताने लगी है दिन रात हाथी को लेकर चिंतित हैं।

इसी क्रम में बता दें बीते कल शाम आमगांव के ग्रामीणों को कह सकते हैं सड़क किनारे हाथियों की पहरेदारी करते हुए देखा गया है ग्रामीणों का कहना हाथी गांव के पास 371 कम्पार्टमेंट जंगल मे चिंघाड़ रहे हैं जिसकी आवाज सुनकर गांव में भय व्याप्त है जनजीवन का खतरा बना हुआ है फिर भी हाथी से फ सल को बचाने की जद्दोजहद में लगे हुए है क्योंकि इससे पहले भी हाथी लहलहाती फसलों को क्षति पहुंचा चुका है, कहना है अब तो मजबूरन हाथियों की मौजूदगी में डरे सहमे जीवन यापन करने को मजबूर हैं इधर स्थानीय वन प्रशासन व शासन की बात करें तो हाथी जैसी विकट समस्या का स्थाई समाधान शायद नजर नही आ रहा है ऐसे हालात में हाथी प्रभावित ग्रामीण इस भीषण समस्या के बीच जीवन जीने को मजबूर हैं।

पुरानी रंजिश के चलते युवक ही हत्या

कोरबा । कोरबा के सीतामढ़ी क्षेत्र की एक बस्ती कुंज नगर में नशेडियों ने बीती रात पुरानी रंजिश के चलते युवक के घर घुस गए और जमकर तोडफ़ोड़ करते हुए लाठी-डंडे और धारदार हथियार से हमला कर दिया। इस हमले में 26 वर्षीय कृष्णा यादव की मौत हो गई वहीं उसका छोटा भाई विक्की यादव घायल हो गया। मामले में कोतवाली पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

मिली जानकारी के अनुसार मृतक कृष्णा का मोती सागर पारा बस्ती में ही रहने वाले कुछ युवकों के साथ उसका विवाद हो गया था। विवाद के बाद मामला शांत हो गया था। गुरुवार रात उसका भाई ऑटो डील में काम करने के बाद रात लगभग 10 बजे घर पहुंचा। इस दौरान कुछ युवक उसके पीछे-पीछे आ गए, कुछ देर में और युवक आये और उसके साथ हाथापाई शुरू कर दी। लड़ाई झगड़े की आवाज सुनकर घरवाले बाहर निकले और देखा कि सभी कृष्णा पर लाठी-डंडे और धारदार हथियार से हमला कर रहे थे। बीच-बचाव करने परिवार वाले पहुंचे।

लैलूंगा पुलिस को मिली बड़ी सफलता, अंधे कत्ल की गुत्थी सुलझी

जोहर छत्तीसगढ़-लैलूंगा।

2 अगस्त 2022 को लैलूंगा नगर पंचायत के पीछे मंदिर चारगोड़ा रास्ते पर एक अज्ञात शव के मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई थी। लोगों ने इसकी सूचना लैलूंगा पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पंहुच कर शव को अपने कब्जे में लेकर मौत के कारणों का पता लगाने में जुट गई । लेकिन मामला तब उलझने लगा जब मृतक के जेब से मिले पहचान पत्र और आधार कार्ड के नाम का व्यक्ति गांव में जिंदा घूमता मिला । लैलूंगा पुलिस ने अपनी पड़ताल जारी रखी और 19 अगस्त 2022 को लैलूंगा बाजार पारा निवासी गीता दास ने अपने पति के गुम के गुम होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। अज्ञात शव के कपड़े की शिनाख्त पति कालिया उर्फ जरहा के रूप में की गई । जिसके बाद पुलिस ने अपनी पड़ताल और तेज करते हुए कालिया दास से जुड़े हर पहलुओं पर जांच शुरू की । जिसके बाद कालिया का उसके बड़े पिता जी के बेटी मोंगरा बाई से जमीन संबंधित विवाद की जानकारी होने पर पूछताछ के लिए बुलाया गया । जिसके बाद मोंगरा द्वारा गोलमोल जवाब देने पर महिला आरक्षक ने कड़ाई से पूछताछ किया जिस पर मोंगरा बाई द्वारा अपने सागा भतीजा जितेंद्र महंत उर्फ पिंटू और उसके साथी देवनारायण महंत निवासी-बटेकेल जिला जशपुर के साथ मिल कर घटना को अंजाम देने की बात स्वीकार किया । जिसके बाद पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर जितेंद्र दास उर्फ पिंटू को बगीचा क्षेत्र से गिरफ्तार किया है । जिसके बाद आरोपी जितेंद्र दास और मोगरा बाई को न्यायिक रिमांड पर भेज गया है । इस अंधे कत्ल की गुत्थी सुलझाने में लैलूंगा टीआई एन एस मरकाम, ए एस आई चंदन नेताम, प्रधान आरक्षक शोमेष गोस्वामी, आरक्षक जॉन प्रकाश टोप्पो, महिला आरक्षक शशिकला कुजूर एवं समस्त स्टॉफ का सहयोग रहा।

सर्वेश्वरी समूह ने मनाई बाबा कीनाराम की जयंती

जोहार छत्तीसगढ़-खरसिया।

बाबा कीनाराम की 423 जयंती की तैयारी को लेकर आश्रम को पूरी तरह सजाया गया। वही सर्वेश्वरी समूह के आश्रम प्रमुख बाबा आत्माराम के मार्गदर्शन में पूजा पाठकर हवन किया गया उसके पश्चात प्रसाद वितरण किया गया। सर्वेश्वरी समूह से जुड़े दिनेश केशरी ने बताया प्रतिदिन बाबा के दर्शन पाने के लिए भक्त दूर-.दूर से आते हैं। लेकिन गुरु पूर्णिमा और बाबा की जयंती के दिन खरसिया सहित आसपास से काफ ी संख्या में श्रद्धालु बाबा के दर्शन के लिए आते है। ठाकुरदिया

वार्ड नं.18 में सर्वेस्वरी समूह में बाबा किनाराम का आश्रम है। अघोराचार्य बाबा कीनाराम का जन्म सन् 1693 भाद्रपद शुक्ल को चंदौली के रामगढ़ गांव में अकबर सिंह के घर हुआ। बारह वर्ष की अवस्था में विवाह अवश्य हुआ पर वैराग्य हो जाने के कारण गौना नहीं कराया। ये देश के विभिन्न भागों का भ्रमण करते हुए गिरनार पर्वत पर बस गये। कीनाराम सिद्ध महात्मा थे और इनके जीवन की अनेक चमत्कारी घटनाएं प्रसिद्ध हैं। वाराणसी जिले में अघोर आचार्य बाबा कीनाराम का आश्रम है। मान्यता यह भी है कि बाबा किनाराम को भगवान शिव का अवतार भी माना जाता है। कौशिक, दिनेश केशरी, नारायण चक्रधारी, नित्यानंद, धनसाय यादव, नंदलाल सहित सैकड़ों भक्तों ने इस अवसर पर पूजा पाठ कर प्रसाद ग्रहण किया।

हड़तालियों ने निकाली मशाल न्याय रैली

जोहार छत्तीसगढ़-धरमजयगढ़।

दो सूत्रीय मांगों को लेकर हड़ताल कर रहे कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन ने पांचवें दिन मशाल न्याय रैली निकाली। धरमजयगढ़ में दुर्गा मंच के सामने टेंट लगाकर हड़ताल किया जा रहा है। जहां प्रतिदिन सैकड़ों कर्मचारी अधिकारी शामिल हो रहे हैं।

फेडरेशन द्वारा पांचवें दिन प्रदेश सरकार के खिलाफ हल्ला बोलते न्याय की मांग करते हुए मशाल न्याय रैली निकाली गई।कर्मचारी अधिकारी की रैली हॉस्पिटल चौक, राजीव गांधी चौक, बस स्टैंड से गांधी चौक होते हुए धरना स्थल पहुंचे। फेडरेशन के प्रांतीय आह्वान पर पर 26 अगस्त 2022 को महंगाई भत्ता 34 प्रतिशत एवं सातवें वेतनमान के आधार पर गृह भाड़ा भत्ता की मांग हेतु कलम रख मसाल उठा रैली निकाली गई। प्रदेश में पहली बार किसी मांग को लेकर सभी विभाग के अधिकारी कर्मचारी एक बैनर तले आंदोलन कर रहे हैं। आंदोलन के चौथे चरण में अनिश्चित कालीन हड़ताल की जा रही है।

वन विभाग के अधिकारी- कर्मचारियों ने दिखाई एकता

वन विभाग धरमजयगढ़ के समस्त शासकीय कर्मचारी अधिकारी वन विभाग कार्यालय से नारेबाजी एक साथ हड़ताल स्थल पहुंचे। एक साथ रैली में पहुंचकर अपनी एकता को दिखाया है। बता दें कि दो सूत्रीय मांग को लेकर वन विभाग के शासकीय कर्मचारी भी हड़ताल पर हैं।

भाजपा महिला मोर्चा ने महिलाओं एवं बच्चियों के साथ दुष्कर्म हत्या छेड़छाड़ को लेकर सौंपा ज्ञापन

जगदलपुर । भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष राम कुमारी यादव के नेतृत्व में डीएसपी अपूर्वा सिंह क्षत्रिय को बस्तर जिला पुलिस अधीक्षक जितेंद्र मीणा के नाम ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में कहां गया वर्ष 2020 से अगस्त 2022 तक बस्तर जिले में महिलाओं एवं बच्चियों के साथ हुए दुष्कर्म, हत्या,छेड़छाड़ की घटना कितने घटित हुए हैं इसकी जानकारी पुलिस विभाग हमें दें। भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष राम कुमारी यादव ने कहा छत्तीसगढ़ में भूपेश की सरकार जब से बनी है तब से छत्तीसगढ़ सहित बस्तर जिले में महिलाओं एवं बच्चों पर उत्पीडन् की घटनाएं बड़े है। महिलाओं पर लगातार अपराध बढ़ रहे हैं। बस्तर जिला अपराध का गढ़ बन गया है। महिलाएं सुरक्षित नहीं है। छेड़छाड़ और बलात्कार की बढ़ती घटनाओं से महिलाएं अपने को असुरक्षित महसूस कर रही है।

प्रदेश में अराजकता की स्थिति-टीकाराम पटेल

सैकड़ों संगठन हड़ताल पर,जनप्रतिनिधि हड़ताल पर

जोहार छत्तीसगढ़-धरमजयगढ़।

भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के प्रदेश सदस्य टीकाराम पटेल प्रदेश सरकार पर अराजकता की स्थिति निर्मित करने का आरोप लगाया है। कांग्रेस की भूपेश सरकार से त्रस्त होकर अधिकारी कर्मचारी फेडरेशन के बैनर तले सैकड़ों कर्मचारी संगठनों ने हल्ला बोल दिया है। इनके अलावा सरपंच संघ, संविदा कर्मचारी, अनियमित कर्मचारी भी हड़ताल में हैं। रसोईया संघ भी हड़ताल का रूख अख्तियार करने जा रहा है। टीकाराम पटेल ने कहा कि इनके हड़ताल में चले जाने से हर वर्ग परेशान है। सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले छात्र-छात्राएं, किसान, न्यायलय में लंबित प्रकरण वाले, अधिवक्तागण सभी वर्ग परेशान हैं। पहली बार न्यायालयीन कर्मचारी हड़ताल में शामिल हुए हैं। इसके बावजूद मुख्यमंत्री के कान में जूं तक नहीं रेंगना समझ से परे है। जायज मांगों को लेकर अधिकारी कर्मचारीयों को इतना बड़ा आंदोलन खड़ा करना पड़े तो प्रदेश की जनता का क्या हश्र हो रहा होगा। किसान दो वर्ष पुराना बोनस के लिए परेशान हैंएबेरोजगार अपनी शासकीय रोजगार के लिए परेशान है। पेंशनधारी जनता एक हजार पेंशन को लेकर टेंशन में है, व्यापारी, कर्मचारी, किसान, मजदूर,युवा,जवान सभी इस सरकार से परेशान हो गए हैं और तो और सत्तारूढ़ दल कांग्रेस के विधायक और मंत्री भी परेशान हो गए हैं। सरकार की उल्टी गिनती शुरू हो गई है।अपना घर संभाल नहीं पा रहे और चलें हैं हिमांचल जीताने। जायज मांगों को लेकर आंदोलनरत युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं पर बर्बरता पूर्ण लाठी बरसाना क्या है। यही है विनाशकाले विपरीत बुद्धि।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक नारायण बाईन, द्वारा आसमा पब्लिसर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड,जयस्तंभ चौक रायपुर से मुद्रित कर मेडरमार कालोनी, जिला-रायगढ़ (छत्तीसगढ़) से प्रकाशित।
संपादक -**नारायण बाईन,** फोन -फैक्स 07766299001, मो, 9479177711, 7489419194 Email-joharchhattisgarh@gmail.com, joharchhattisgarh@yahoo.co.in